CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 152 ता. 09 दिसम्बर 2021, गुरुवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सेना हेलीकॉप्टर हादसे में सीडीएस विपिन रावत की मौत, भारतीय सेना की पुष्टि

आज दोनों सदनों में बयान देंगे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

चेन्नई ।

तमिलनाडु के कुन्नूर में बुधवार को सेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलीकॉप्टर में सीडीएस बिपिन रावत की मौत हो गई हैं, इसकी पुष्टि देर शाम भारतीय सेना ने कर दी है।घटना में उनकी पत्नी सहित 14 लोग की मौत की खबर है। उधर रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री को घटना के बारे में जानकारी दे दी है। सेना सूत्रों ने बताया कि एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर में सवार सभी घायलों को दुर्घटनास्थल से निकाला है। सीडीएस रावत वेलिंगटन में डिफेंस स्टाफ कॉलेज जा रहे थे, लेकिन कुन्नूर में घने जंगल में हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसा इतना भयानक था कि चारों तरफ सिर्फ आग ही आग की लपटें नजर आ रही हैं। वायुसेना ने कहा कि हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों के शव 80 प्रतिशत तक जल चुके हैं। शवों को पहचान की जांच जारी है।

आज दोनों सदनों में बयान देंगे रक्षामंत्री

तमिलनाडु में सेना के हेलिकॉप्टर के क्रैश होने की घटना पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह संसद में गुरुवार को बयान देने वाले है। बता दें कि क्रैश हेलिकॉप्टर पर सीडीएस जनरल बिपिन रावत और उनके स्टाफ के साथ परिवार के सदस्यों की मौत हो गई है। खबर आ रही हैं, रक्षामंत्री कोयंबटूर भी जाएंगे।भारतीय वायुसेना का हेलीकॉप्टर तमिलनाडु के कुन्नूर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।हेलीकॉप्टर में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत सवार थे।सूत्रों ने बताया कि एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर में सवार सभी घायलों को दुर्घटनास्थल से निकाल लिया गया है। सीडीएस रावत वेलिंगटन में डिफेंस स्टाफ कॉलेज जा रहे थे।जनरल रावत की हालत के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं है।वायुसेना ने कहा कि हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक सीडीएस रावत का स्टाफ कॉलेज वैलिंगटन में 2:45 बजे लेक्चर था।वह दिल्ली से सूलूर फिक्स्ड विंग से गए थे।सूलूर से वैलिंगटन की दूरी 53 किलोमीटर थी।वहीं कुन्नूर से वैलिंगटन की दूरी सिर्फ तीन किलोमीटर थी और लैंडिंग से पहले ही हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया।क्रैश हेलिकॉप्टर में सीडीएस जनरल बिपिन रावत, सीडीएस, मधुलिका रावत, ब्रिगेडियर एलएस लीडर, लेफ्टिनेंट हरजिंदर सिंह, एनके गुरसेवक सिंह, एनके जितेंद्र सिंह, विवेक कुमार, बी. साई तेजा,सतपाल सवार थे।

पहला कॉलम

अनुच्छेद 370 के हटने के बाद 96 आम नागरिकों की हत्या हुई, 366 आतंकवादियों को किया ढ़ेर

नई दिल्ली । जम्मू एवं कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद 96 आम नागरिकों की हत्या हुई है जबकि सुरक्षा बलों ने इस दौरान 366 आतंकवादियों को मार गिराया। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद कोई भी कश्मीरी पंडित या हिन्दू घाटी से विस्थापित नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, तथापि हाल ही में कश्मीर में रह चुके कुछ कश्मीरी पंडित परिवार, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं, जम्मू क्षेत्र में चले गए हैं। ये परिवार सरकारी कर्मचारियों के हैं। जिनमें से कई परिवार कर्मचारियों की आवाजाही के भाग के रूप में और शैक्षणिक संस्थानों में शीतकालीन अवकाश के चलते सर्दियों में जम्मू चले जाते हैं।'ज्ञात हो कि पांच अगस्त 2019 को जम्मू एवं कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया था।

सरकार जल्दी ही राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान-3 शुरू करेगी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उच्चतर शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात कम है और 2050 तक इसमें 50 प्रतिशत तक की वृद्धि के लिए रोडमैप तैयार किया गया है। प्रधान ने पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति को डिग्री आधारित नहीं बल्कि रोजगारोन्मुखी बनाया गया है।इसका मूल मकसद है कि शिक्षा को डिग्री आधारित नहीं बल्कि कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी बनाना है। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा के लक्ष्य को उत्कृष्टता के साथ प्राप्त करने और इसके अनुरूप लाभों को बढाने के लिए केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों, दोनों के द्वारा शिक्षा में सार्वजनिक निवेश में पर्याप्त इजाफा करने का स्पष्ट रूप से समर्थन और परिकल्पना की गई है। शिक्षा क्षेत्र में सार्वजनिक निवेश को बढाकर यथाशीघ्र सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के छह प्रतिशत तक पहुंचने के लिए केंद्र एवं राज्यों को मिलकर काम करने का दायित्व सौंपा गया है। प्रधान ने कहा कि सरकार जल्दी ही राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा)-3 शुरू करेगी।

विक्की-कैटरीना ने अमेजन प्राइम वीडियो को 80 करोड़ में बेचे शादी के फुटेज

मुंबई । विक्की कौशल और कैटरीना कैफ की शादी इस समय सबसे ज्यादा ट्रेंडिंग टॉपिक है। उनकी शादी से जुड़ी हर अपडेट के बारे में जानने को लेकर उनके प्रशंसक काफी उत्साहित हैं। कपल 9 दिसंबर को राजस्थान के सवाई माधोपुर में सिक्स सेंस फोर्ट बड़वारा में सात फेरे लेगा। शादी में प्राइवेसी का खास ख्याल रखा जा रहा है। विक्की और कैटरीना ने एक ओटीटी प्लेटफॉर्म को अपनी शादी के राइट्स बेचे हैं, यही वजह है कि शादी में इतनी प्राइवेसी रखी जा रही है, ताकि कोई भी फोटो या वीडियो वायरल नहीं हो। मीडिया पोर्टल ने खुलासा किया है कि अमेजन प्राइम वीडियो को विक्की-कैटरीना की शादी के वीडियो को दिखाने राइट्स मिल गए हैं। इंग्लिश वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने अपनी शादी के टेलिकास्ट राइट्स एमेजॉन प्राइम को बेच दिए हैं। यह डील 80 करोड़ में फाइनल हुई है। इस डील की वजह से ही कैटरीना और विक्की ने अपने गेस्ट से एनडीए साइन करवाया है, ताकि ओटीटी प्लेटफॉर्म से पहले शादी की कोई फोटो सोशल मीडिया पर वायरल नहीं हो। गौरतबल है कि बीते दिन खबर आई थी कि विक्की और कैट की शादी के एक्सक्लूसिव वीडियो के लिए एक ओटीटी प्लेफॉर्म ने उन्हें 100 करोड़ ऑफर किए हैं। विक्की और कैटरीना की वेडिंग सीरीज में उनके रोमांस से लेकर रोका सेरेमनी और चार दिन के राजस्थान में हुआ फंक्शन सभी को दिखाया जाएगा। विक्की और कैटरीना की शादी के वीडियो को साल 2022 में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाएगा। इससे पहले 2019 में प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने भी अपनी शादी की सीरीज की डील ओटीटी प्लेटफॉर्म से की थी।

मोदी कैबिनेट में दी केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट को मंजूरी

-केन बेतवा नदियों को जोडने वाली परियोजना पर 44,605 करोड़ होंगे खर्च

- *8 वर्ष में पूरा किया जाएगा परियोजना का काम*
- *इस राष्ट्रीय परियोजना में केंद्र सरकार का योगदान 90 प्रतिशत होगा*
- *8 हजार करोड़ की परियोजना अब 44 हजार करोड़ से ज्यादा की हो गई*

नई दिल्ली ।

केन-बेतवा नदियों को जोडने वाली केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट को केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। यह परियोजना 44,605 करोड़ रुपए की लागत से पूरी होगी। इस परियोजना के तहत 8 वर्ष में पूरा किया जाएगा। इस राष्ट्रीय परियोजना में केंद्र सरकार का योगदान 90 प्रतिशत होगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि इस परियोजना को मंजूरी दे दी गई है। केन-बेतवा लिंक परियोजना को लेकर मप्र-उप्र की राज्य सरकारों के बीच समझौता और परियोजना का अंतिम सर्वे होने के साथ ही शिलान्यास की तैयारी की जा रही है। लेकिन 16 साल पिछडने से परियोजना की लागत भी बढ़ गई है। करीब आठ हजार करोड़ रुपए की नदी जोड़ो परियोजना अब 44 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की हो गई है। जबकि वर्ष 2015 में परियोजना की लागत 37 हजार करोड़ आंकी गई थी। लागत में भारी भरकम इजाफा 16 साल की देरी के साथ जीएसटी लगने से भी हुआ है।

2002 में बनी थी परियोजना की रूपरेखा

तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय वर्ष 2002 में केन और बेतवा नदी को जोडने की रूपरेखा बनी थी। अगस्त 2005 में उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश सरकार के बीच इसको लेकर पहला समझौता हुआ। इसमें केन नदी को पन्ना जिले में प्रस्तावित ढोढन बांध से लगभग 221 किमी लंबी केन-बेतवा लिंक नहर के जरिए झांसी के बरुआसागर के पास बेतवा नदी से जोड़ा जाना था। उस दौरान इसकी लागत 8 हजार करोड़ रुपए आंकी गई थी। सबसे अधिक खर्च पुनर्वास पर किया जाना था।

डूब के चलते पन्ना टाइगर रिजर्व पार्क को स्थानांतरित किया जाना था। लेकिन परियोजना पर काम शुरु होने के बजाए उप्र एवं मप्र के बीच जल बंटवारे को लेकर विवाद शुरू हो गया। विवाद के चलते परियोजना लगातार पीछे खिसकती गई। इस वजह से पुनर्वास लागत भी बढ़ती गई। 2015 में जब एक बार फिर दोनों राज्य परियोजना को लेकर सहमत होने लगे तब इसकी लागत बढ़कर 37 हजार करोड़ तक पहुंच चुकी थी। लेकिन उसके बाद भी परियोजना जल बंटवारे को लेकर छह साल उलझी रही।

जीएसटी से बढ़ी 18 फीसदी लागत

केंद्र सरकार के दखल के बाद 22 मार्च 2021 को आखिरकार उप्र एवं मप्र की राज्य सरकारें पानी के बंटवारे को लेकर सहमत हो गई। अब परियोजना पर काम शुरु होने का समय आ गया है। ऐसे में सिंचाई विभाग के इंजीनियरों ने परियोजना की लागत का फिर से आंकलन किया जा रहा है, जो अब 75 हजार करोड़ रुपए होने का अनुमान है। लागत बढने की वजह जीएसटी को भी माना जा रहा है। जो परियोजना पर 18 फीसदी जोड़ा गया है। वहीं, पुनर्वास खर्च में बढ़ोतरी हो गई। ऐसे में लागत का करीब 30 फीसदी बढना तय है हालांकि अभी लागत पूरी तरह तय नहीं हुई है। लागत को लेकर परीक्षण का काम चल रहा है।

केंद्र सरकार का बढ़ा खर्च

परियोजना की कुल लागत का 90 फीसदी बजट केंद्र सरकार को देना है, जबकि शेष दस प्रतिशत बजट उप्र एवं मप्र सरकार अपने-अपने पानी के अनुपात में वहन करेंगे। इस लिहाज से दोनों ही राज्यों को इस परियोजना में काफी कम लागत खर्च करनी होगी। लेकिन बढ़ी लागत के अनुसार केन्द्र का खर्च बढ़ गया है।

फैक्ट फाइल

- परियोजना की लागत-44,605 करोड़ रुपए
- केंद्र सरकार देगी- 90 फीसदी राशि
- राज्य सरकारें देंगी- 5-5 फीसदी
- केन बेसिन से उप्र में सिंचाई - 2.27 लाख हेक्टेयर
- केन बेसिन से मप्र में सिंचाई - 4.47 लाख हेक्टेयर
- बेतवा बेसिन से मप्र में सिंचाई- 2.06 लाख हेक्टेयर

कांग्रेस ने जारी किया महिला घोषणा पत्र, सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 40 प्रतिशत आरक्षण का वादा

लखनऊ ।

भारतीय राजनीति के इतिहास में पहली बार किसी राजनीतिक दल सिर्फ आधी आबादी यानि महिलाओं को केन्द्र में रखकर अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी किया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने बुधवार को यहां महिला घोषणा पत्र जारी किया। पार्टी ने इसे शक्ति विधान नाम दिया है। घोषणा पत्र में कहा गया है कि यदि सूबे में कांग्रेस की सरकार बनी तो सरकारी नौकरियों में 40 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण देंगे। इसके साथ पुलिस विभाग में 25 प्रतिशत महिलाओं को भर्ती करने का वादा भी किया। घोषणा पत्र को जारी करते हुए करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि देश के राजनीतिक इतिहास में पहली बार महिलाओं पर केंद्रित घोषणा पत्र जारी किया जा रहा है। घोषणा पत्र को छह हिस्सों में बांटा गया है- स्वाभिमान, स्वावलंबन, शिक्षा, सम्मान, सुरक्षा और सेहत। उन्होंने कहा कि आज की महिला लड़ना चाहती है। हमने उसी भावना को ध्यान में रखते हुए इस घोषणा पत्र को बनाया है। प्रियंका वाड्रा ने ऐलान किया कि यूपी में कांग्रेस की सरकार बनी तो सरकारी नौकरियों में 40 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण देंगे। इसके साथ पुलिस विभाग में 25 प्रतिशत महिलाओं को भर्ती करने का वादा भी किया। उन्होंने कहा कि इस घोषणा पत्र के जारी होने के बाद दूसरे राजनीतिक दलों पर भी दबाव होगा कि महिलाओं की भागीदारी को गंभीरता से लिया जाए। करुणा, दया, आशा महिलाओं का गुण है। ये गुण राजनीति में भी आए। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी इसलिए जरूरी है ताकि महिला सशक्तिकरण केवल कागजों में न रह जाए। महिलाओं के लिए वह माहौल देना होगा कि वे अपनी बात कह सकें। महिलाओं का शोषण हो रहा और वे लड़ रही हैं। 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' का नारा वहीं से आया है। प्रियंका गांधी ने कहा कि 40 प्रतिशत महिलाओं को टिकट देने की हमने घोषणा की है। अब इसे 50 प्रतिशत तक पहुंचाया जाएगा। इससे हम राजनीति में महिलाओं की असमानता को ठीक करने की कोशिश करेंगे। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी 14 प्रतिशत से भी कम है। जब महिलाओं को टिकट में ज्यादा मौके मिलेंगे तो यह प्रतिशत बढ़ेगा।

किसानों ने मोदी सरकार के प्रस्ताव को माना, आज दोपहर 12 बजे एसकेएम की बैठक

नई दिल्ली ।

पीएम मोदी द्वारा कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा के बाद भी किसानों का आंदोलन जारी है। हालांकि इसी बीच किसानों ने मोदी सरकार के प्रस्ताव को मान लिया है।जानकारी के मुताबिक अब गुरुवार की दोपहर 12 बजे फिर किसान मुलाकात करने वाले है। बताया जा रहा है कि सरकार ने तत्काल केस वापसी की बात कही है।इसके बाद गुरुवार को एसकेएम की बैठक तय हुई है। किसान संगठन कृषि कानूनों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।इन्हें अब मोदी सरकार ने वापस ले लिया है।हालांकि, किसान अभी एमएसपी पर कानूनी गारंटी चाहते हैं।साथ ही किसान आंदोलन के दौरान हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश में किसानों पर दर्ज केस को वापस लेने की मांग कर रहे हैं।इसके अलावा किसानों की मांग है कि लाल किला हिंसा में प्रदर्शनकारियों पर दर्ज केस भी वापस लिए जाए। किसानों का कहना है, कि जो लोग कृषि कानूनों की ड्राफ्टिंग में शामिल थे,उन्हें एमएसपी पर कमेटी में शामिल नहीं किया जाएगा।सिर्फ संयुक्त किसान मोर्चा में शामिल संगठनों को इसमें जगह दी जाए।साथ ही पहले केस वापस ले सरकार, इसके बाद आंदोलन वापस लिया जाएगा।वहीं किसानों का कहना है कि सरकार सैद्धांतिक रूप से मुआवजा देने के लिए तैयार है, लेकिन जिस तरह से पंजाब सरकार ने उन्हें मुआवजा दिया है, वैसे ही आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले किसानों को मुआवजा मिलना चाहिए।

सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के एयर वर्जन का सफल परिक्षण

चांदपुर ।

ओडिशा के चांदपुर में सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के एयर वर्जन का सफल परिक्षण हुआ। खबर है कि परीक्षण में मिसाइल सभी मानकों पर खरी उतरी है।बुधवार की सुबह 10:30 बजे सुखोई 30 फाइटर से मिसाइल को फायर किया गया।खास बात है कि सफलता के साथ ही भारत में ब्रह्मोस मिसाइल के एयर वर्जन के उत्पादन का रास्ता साफ हो गया है।इसके पहले एयर वर्जन का सफल परीक्षण इसी साल जुलाई में किया गया था।डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन ने इसकी जानकारी दी कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के एयर वर्जन का सुखोई 30 एमके-आई से सफल टेस्ट फायर किया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, ब्रह्मोस टीम, भारतीय वायुसेना और रक्षा उद्योग को मौके पर बधाई दी। परीक्षण में शामिल टीम को बधाई देकर डीआरडीओ के चेयरमैन जी सतीश रेड्डी ने कहा कि डीआरडीओ की कई लैब, शैक्षणिक संस्थानों,एजेंसियों, निजी क्षेत्रों के उपक्रम और भारतीय वायुसेना ने जटिल मिसाइल सिस्टम के विकास, जांच, और शामिल करने की प्रक्रिया में भाग लिया। सुपरसॉनिक क्रूज मिसाइल के विकास, उत्पादन के लिए ब्रह्मोस भारत के डीआरओडी और रूस के एनपीओम का एक जॉइंट वेंचर है।ब्रह्मोस एक शक्तिशाली मिसाइल हथियार है, जिसे पहले ही सशस्त्र बलों में शामिल किया जा चुका है।डीआरडीओ ने ओडिशा तट से कम दूरी की मारक क्षमता वाली, जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया।अधिकारियों ने बताया कि मिसाइल का परीक्षण चांदीपुर स्थित परीक्षण केन्द्र से दोपहर 3:08 बजे किया गया।इस भारतीय नौसेना के विभिन्न पोतों पर तैनात किया जाएगा।रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सभी हथियार प्रणाली के समेकित कामकाज का सत्यापन करने के लक्ष्य से मिसाइल प्रणाली का परीक्षण किया गया।

सार समाचार

हरियाणा सरकार ने राज्य के अधिकारियों व कर्मचारियों को जारी किए निर्देश

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे आगामी 17 दिसंबर 2021 से आरंभ होने वाले 'हरियाणा विधानसभा अधिवेशन' के मद्देनजर कार्यालय में उपस्थित रहें व दौरे पर न जाएं। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य सचिव की ओर से प्रदेश सरकार के सभी प्रशासकीय सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्ड व निगम के प्रबंध निदेशकों को निर्देश दिए गए हैं कि 17 दिसंबर से 'हरियाणा विधानसभा अधिवेशन' शुरू होगा, जिसकी तैयारी के लिए तथा अधिवेशन के दौरान कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए कार्यालयों के अधिकारी व कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिचित की जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी अधिकारी व कर्मचारी बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति के अवकाश पर न जाए और यदि अवकाश स्वीकृत करना अति आवश्यक हो तो केवल अपरिहार्य कारणों के दृष्टिगत ही स्वीकृत किया जाए।

पीएम मोदी ने शहीदी दिवस पर गुरु तेग बहादुर को श्रद्धांजलि दी, पंजाबी में किया ट्वीट

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सिख गुरु तेग बहादुर को उनके शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उन्होंने अंतिम सांस तक अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी। वर्ष 1621 में जन्मे नौवें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर 1675 में दिल्ली में शहीद हो गए थे। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, ''श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत हमारे इतिहास की ना भूलने वाली घटना है। अंतिम सांस तक उन्होंने अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी। आज के दिन मैं उन्हें नमन करता हूं।''

मोदी ने सिख गुरु को श्रद्धांजलि देते हुए पंजाबी में भी ट्वीट किया और राजधानी दिल्ली स्थित शीशगंज गुरुद्वारे के अपने एक दौरे की तस्वीरें भी साझा की। मुगल शासक चाहते थे कि गुरु तेग बहादुर इस्लाम स्वीकार कर लें लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया था। गुरु तेग बहादुर के त्याग और बलिदान के लिए उन्हें 'हिंद दी चादर' कहा जाता है। जिस जगह पर गुरु तेग बहादुर की शहादत हुई थी, दिल्ली में उसी स्थान पर शीशगंज गुरुद्वारा स्थित है।

तेजस्वी यादव बनेंगे दूल्हा, दिल्ली में चल र ही है सगाई की तैयारियां: सूत्र

नई दिल्ली। दिल्ली के सियासी गलियारों में बिहार के एक सियासी परिवार के घराने में होने वाली शादी की खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं। हालांकि, अभी उस परिवार की तरफ से इन खबरों को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। लेकिन सूत्र बता रहे हैं कि जल्दी ही बिहार के इस सियासी परिवार के लड़के की शादी होने वाली है। कहा जा रहा कि दिल्ली सगाई की तैयारियां जोरों शोरों से चल रही हैं। तो आखिर कौन है वो शक्स जिसकी शादी की चर्चा दिल्ली में हो रही है? दरअसल वो शख्स कोई और नहीं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद सुप्रीमो के बेटे तेजस्वी यादव हैं। बिहार विधानसभा में पिता प्रतिपक्ष और विधायक तेजस्वी यादव की शादी पक्की हो गई है। सूत्रों की माने तो आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के छोटे बेटे तेजस्वी यादव की सगाई की तारीख पक्की हो चुकी है। सूत्रों का कहना है कि क्या 9 दिसंबर को राजधानी दिल्ली में तेजस्वी यादव की सगाई हो सकती है। हालांकि परिवार ने अभी इस बात की पुष्टि नहीं की है।

सांसदों के निलंबन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए अखिलेश, बोले- भाजपा भावनाओं को नहीं समझती

नयी दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसदों ने बुधवार को शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए 12 राज्यसभा सदस्यों के निलंबन को लेकर संसद परिषद में स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सपा नेता अखिलेश यादव, जया बच्चन समेत विपक्ष के अन्य नेता उपस्थित रहे। समाचार एजेंसी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री लाल रंग के बारे में पहले भी बोल चुके हैं, लाल रंग भावनाओं का है और भाजपा भावनाओं को नहीं समझती है। इसी बीच सपा सांसद जया बच्चन ने कहा कि प्रधानमंत्री को बहुत-बहुत धन्यवाद कि वो हमारी पार्टी का प्रचार कर रहे हैं। उनके लिए खतरा है कि लोग लाल टोपी पहन कर बड़ी संख्या में आ रहे हैं, उनके लिए ये खतरे की घंटी है।

रद्द हो सांसदों का निलंबन

राज्यसभा के 12 सांसदों के निलंबन को लेकर कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल लगातार सरकार से इसे रद्द करने की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी ने पार्टी संसदीय दल की बैठक में कहा कि यह निलंबन अभूतपूर्व और अस्वीकार्य है। हम निलंबित सांसदों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।

5 राज्यों के चुनाव में पड़ता असर, केंद्र ने चर्चा किए बिना कृषि कानूनों को किया निरस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। कब खत्म होगा किसानों का आंदोलन? क्या चुनावों के डर से सरकार ने वापस लिए कानून? उठ रहे तरह-तरह के सवालों के बीच जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने किसानों की बात करते हुए कहा कि संसद चर्चा के लिए होती है, शोर करने के लिए नहीं। वहीं दूसरी तरफ भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि हमारा आंदोलन कहीं नहीं जा रहा है, यहीं है।

बिना चर्चा के वापस हुआ कानून

केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन को एक साल पूरे हो चुके हैं और सरकार ने भी कृषि कानूनों को वापस ले लिया है फिर भी दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर किसान बैठे हुए हैं। इसी बीच जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला का बयान सामने आया। उन्होंने केंद्र सरकार को निशाना बनाते हुए कहा कि 750 किसानों ने शहादत दी और जब इन्होंने देखा कि पांच राज्यों में यह हार जाएंगे तो फौरन उन्होंने काले कानून वापस लेने का ऐलान किया। जब इन्होंने संसद में काले कानून पास किए थे तो हमने चर्चा करने की बात कही थी लेकिन एक बात नहीं सुनी गई।

आपको बता दें कि दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर चल रहा किसान आंदोलन समाप्त हो सकता है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि संयुक्त किसान मोर्चा ने आपात बैठक बुलाई है। इस बैठक में 5 किसान नेताओं का पैनल आगे की रणनीति पर चर्चा करेगा। वहीं बीते दिनों एसकेएम ने बताया था कि उसने आंदोलन को समाप्त करने का अनुरोध करने वाले सरकार के प्रस्ताव का जवाब दिया है जिसमें कुछ बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा गया है। उसने किसानों पर दर्ज फर्जी मामले वापस लेने के लिए आंदोलन समाप्त करने की सरकार की पूर्व शर्त पर भी स्पष्टीकरण मांगा है।

बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि सरकार ने एक प्रस्ताव भेजा, उस पर चर्चा हुई और एसकेएम के सभी सदस्यों के सामने पेश किया गया। सरकार के प्रस्ताव में कहा गया है कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग पर एक समिति का

गठन करेगी और इस समिति में एसकेएम के बाहर के किसान संगठन, सरकारी अधिकारी और राज्यों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हमें इस पर आपत्ति थी...

कहीं नहीं जा रहे किसान

वहीं दूसरी तरफ भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने साफ कर दिया कि किसान कहीं नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रस्ताव दिया कि वे हमारी मांगों पर सहमत होंगे और हमें विरोध खत्म करना चाहिए... लेकिन प्रस्ताव स्पष्ट नहीं है। हमारा आंदोलन कहीं नहीं जा रहा है, यहीं रहेगा।

सरकार सदन नहीं चलने देना चाहती ताकि विपक्ष महंगाई और दूसरे प्रमुख मुद्दे नहीं उठाए: खड़गे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सदन के 12 विपक्षी सदस्यों का निलंबन रद्द करने की मांग दोहराते हुए बुधवार को कहा कि सरकार सदन नहीं चलने देना चाहती ताकि विपक्ष महंगाई, नगालैंड में गोलीबारी, पेगासस और दूसरे महत्वपूर्ण मुद्दे नहीं उठा सके। खड़गे ने यह भी बताया कि कई विपक्षी पार्टियों के सांसदों ने आज उच्च सदन की कार्यवाही का दिन भर के लिए बहिष्कार किया और निलंबित सांसदों के साथ धरने पर बैठे। उन्होंने संसद भवन के बाहर विजय चौक पर संवाददाताओं से कहा, ''सदस्यों के निलंबन को रद्द करने के लिए हम सदन में अपनी बात रख रहे हैं और सभापति से आग्रह भी किया है। यह निलंबन नियमों और संविधान के खिलाफ है। फिर भी वो (सरकार) अपने निर्णय पर अड़े हुए हैं। वो नहीं चाहते हैं कि सदन ऐसे चले।'' खड़गे के मुताबिक, कांग्रेस और दूसरे सहयोगी दल चाहते है कि निलंबन रद्द हो ताकि वो सदन में महंगाई, पेगासस जासूसी मामला, नगालैंड में गोलीबारी,

सीमा पर चीन के अतिक्रमण तथा कई अन्य मुद्दे उठा सकें।

उन्होंने कहा, ''आज फिर हमने वही मुद्दा उठाया और कहा कि निलंबन रद्द किया जाए। वो कह रहे हैं कि माफी मांगनी चाहिए। किस चीज की माफी? हमने नियमों और संविधान के खिलाफ कोई काम किया? नहीं किया।'' उन्होंने कहा, ''इन 12 सदस्यों में कौन सदस्य मेज पर चढ़ा था, फाइल फाड़ी थी? बिना नामित किए हुए सदस्यों को निलंबित किया गया है।'' खड़गे ने जोर देकर कहा, '' हम सदन चलाने के लिए तैयार हैं। हम सभी मुद्दों को उठाना चाहते हैं, लेकिन सरकार मौका नहीं दे रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक और अधिनायकवादी ढंग से काम कर रही है। पिछले सप्ताह सोमवार, 29 नवंबर को आरंभ हुए संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के 12 सदस्यों को इस सत्र की शेष अवधि के लिए उच्च सदन से निलंबित कर दिया गया था। जिन सदस्यों को निलंबित किया गया है उनमें मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के इलामारम करीम, कांग्रेस की फूलों देवी नेताम, छाया वर्मा, रिपुन बोरा, राजमणि पटेल, सैयद नासिर हुसैन, अखिलेश प्रताप सिंह, तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन और शांता छेत्री, शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी और अनिल देसाई तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम शामिल हैं।

पीएम मोदी, शाह और सोनिया के बाद अब योगी और हेमंत सोरेन का बिहार में हुआ टीकाकरण

गया। (एजेंसी)। बिहार के और अन्य नेताओं के राज्य के दूरस्थ गांवों में कोरोना वायरस संक्रमण रोधी टीकाकरण कराए जाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। बिहार के गया जिले के टेकारी प्रखंड के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, झारखंड के उनके समकक्ष हेमंत सोरेन, बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के नाम वहां टीकाकरण कराने वालों में शामिल हैं। इससे पूर्व गया के पड़ोसी जिले अरवल से इसी तरह की गड़बड़ी सामने आयी थी जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और बॉलीवुड हस्ती प्रियंका चोपड़ा और अक्षय कुमार के नाम लाभार्थियों की सूची में शामिल थे।

अरवल में जिला प्रशासन ने संबंधित दो डेटा ऑपरेटर को बर्खास्त करने के साथ उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है और यह पता लगाने के लिए एक अभियान शुरू किया है कि क्या ऐसी और भी विसंगतियां हैं। गया के सिविल सर्जन कमल किशोर राय ने बताया, ''हमने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह साइबर अपराध का मामला प्रतीत होता है।'' गया जिला प्रशासन यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है इसके लिए कौन जिम्मेवार है।

मस्जिद को भगवा रंगने से उठे विवाद को शांत कराने के लिए फिर से हुआ मस्जिद का रंग सफेद

वाराणसी। (पंजाब)। 13 दिसंबर को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। इसके लिए पूरे बनारस शहर में तैयारियां जोरों पर है। इससे पहले प्राधिकरण ने विश्वनाथ मंदिर जाने वाले सारे रास्तों की सारी ईमारतों की भगवा रंग में पुताई करवा रही है। भगवा रंग में मस्जिद को रंगने के मामले में प्रशासन अलर्ट हो गयी है, और यहां फिर से मस्जिद से भगवा रंग को हटा कर सफेद रंग में रंगा जा रहा है। दरअसल , मामल यह है कि बनारस के बुलानाला इलाके में सड़क किनारे एक काफी पुरानी मस्जिद है, जिसे बुलानाला मस्जिद भी कहते हैं। जिसका रंग सफेद था, उस मस्जिद को भी रातोंरात हल्के गेरुआ रंग से पेंट करा दिया गया था। जिसको लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगो ने नाराजगी जताई थी। इसके साथ ही मुस्लिम समुदाय ने वाराणसी विकास प्राधिकरण पर तानाशाही करने का आरोप भी लगाया। इस मामले में वाराणसी विकास प्राधिकरण ने कहा कि, वह सिर्फ एकरूपता लाने की कोशिश कर रहा है। उनका किसी भी समुदाय को आहत पहुँचाने का कोई भी उद्देश्य नही था। फिलहाल अब फिर से मस्जिद की सफेद रंग में पुताई करवाई जा रही है।

इसके साथ ही मुस्लिम समुदाय के मस्जिद की देखरेख करने वाली अंजुमन इंतजामियां मस्जिद कमेटी के मोहम्मद एजाज इस्लाही ने बातचीत में बताया था कि मस्जिद का रंग रातोंरात बदल दिया गया। अगर ऐसा कुछ करना भी था तो एक बार पहले बात कर लेनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि ये मनमानी और तानाशाही है। उन्होंने आगे बताया कि इस पर उन्होंने आपत्ति भी दर्ज कराई है और डीएम से मिलने की कोशिश भी की है, लेकिन मुलाकात नहीं हुई।इन सारे मामलों पर वाराणसी विकास प्राधिकरण के सचिव और काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील वर्मा ने कहा कि, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तैयारियों के अलावा ये भी कोशिश की जा रही है कि विभिन्न मार्गों का सुंदरीकरण भी किया जाए।

दुर्गम हालातों में एमआई17 ने पाकिस्तानियों को किया था नेस्तनाबूत, लगाए गए थे रॉकेट लॉन्चर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना का Mi17V5 हेलीकॉप्टर बुधवार को तमिलनाडु के कुन्नूर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में सीडीएस जनरल बिपिन रावत समेत 14 लोग सवार थे। जिसमें से 11 लोगों को शव बरामद किया जा चुका है। इसी के साथ ही Mi17 हेलीकाप्टर को लेकर बहस छिड़ गई है। आपको बता दें कि भारत ने Mi17 हेलीकॉप्टर के माध्यम से दुर्गम स्थानों में मौजूद पाकिस्तानी सेना को नेस्तनाबूत किया था। बात करगिल युद्ध की है। 1999 का पांचवां महीना चल रहा था। इसी बीच पाकिस्तानी सेना ने भारतीय इलाकों में घुसपैठ कर लिया था। जिसमें टाइगर हिल और तोलोलिंग रेंज शामिल है। ऐसे में आपरेशन विजय शुरू किया गया लेकिन ऊंची-ऊंची चोटियों में मौजूद पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के जवानों को निशाना बनाया।

पाकिस्तानी सेना का मकसद श्रीनगर हाईवे पर कब्जा करना और सियाचिन ग्लेशियर को भारतीय सेना से अलग करना था। पाकिस्तानियों को खदेड़ने के लिए 24 मई को वायुसेना की मदद ली गई। उस वक्त वायुसेना के पास Mi 35 हेलीकॉप्टर ही मौजूद थे और वो 10,000 फीट से ज्यादा ऊंचाई तक जाने में सक्षम नहीं थे। ऐसे में वायुसेना ने Mi17 ट्रांसपोर्ट हेलिकॉप्टर को वॉर मशीन बनाने के निर्णय किया। Mi17 में 557 एमएम वाले रॉकेट लॉन्चर सेट किए गए ताकि पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को तबाह किया जा सके। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी था क्योंकि पाकिस्तानी सेना तोलोलिंग पर कब्जा करके बैठी थी और उसकी ऊंचाई करीब 15,000 फीट थी।

4 MI17 को सौंपी गई थी जिम्मेदारी

थल सेना ने 24 मई को वायुसेना से मदद मांगी थी और मुश्किल परिस्थितियों में होने के बावजूद वायुसेना ने 27 मई को Mi17 के चार हेलीकॉप्टरों की मदद से पाकिस्तानियों खदेड़ना शुरू कर दिया था। यह मिशन इतना भी आसान नहीं था क्योंकि पाकिस्तानी पूरी व्यवस्था के साथ आए थे और उनके पास हेलीकॉप्टरों को निशाना बनाने वाले रॉकेट भी थे। भारतीय वायुसेना का एक Mi17 हेलीकॉप्टर पाकिस्तानियों की मिसाइल का शिकार भी हो गया था। इसके बावजूद बाकी के हेलीकॉप्टरों ने अपना दमखम दिखाते हुए उनके ठिकानों को नेस्तनाबूत कर दिया था।

ममता बनर्जी की कोशिशों पर शिवसेना ने फेरा पानी, कांग्रेस बिना विपक्ष नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या कांग्रेस के बिना तीसरा मोर्चा संभव नहीं है? क्या ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ आएंगी? क्या कांग्रेस विपक्ष को मजबूत करने में कामयाब हो पाएगी? तरह-तरह के सवालों के बीच शिवसेना ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सपनों पर पानी फेर दिया है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि कांग्रेस के बिना विपक्ष संभव नहीं है। दरअसल, ममता बनर्जी कांग्रेस के बिना ही विपक्षी मोर्चा तैयार करने की कोशिशों में जुटी हुई हैं। हाल ही में ममता बनर्जी ने मुंबई में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे और संजय राउत से मुलाकात की थी।

कांग्रेस के बिना विपक्ष संभव नहीं

शिवसेना सांसद संजय राउत ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद साफ संजय राउत ने कहा कि कांग्रेस के बिना विपक्ष संभव नहीं है। भाजपा की पूर्व सहयोगी शिवसेना 2004 से 2014 के बीच केंद्र में शासन करने वाले गठबंधन (यूपीए) का हिस्सा नहीं थी। संजय राउत ने बैठक की जानकारी साझा करने से इनकार करते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने यूपीए की स्थिति के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यूपीए के बारे में चर्चा हुई। इस पर बयान देना सही नहीं है। मैं उद्धवजी से बात करूंगा और फिर आपसे कहुंगा।

ममता करना चाहती हैं अगुवाई

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुंबई की अपनी यात्रा पर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आदित्य ठाकरे और एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की थी। कांग्रेस और एनसीपी की मदद से ही शिवसेना ने महाराष्ट्र में सरकार बनाई है। ऐसे में ममता बनर्जी कांग्रेस के बिना विपक्षी मोर्चा तैयार करने की कोशिशों में जुटी हुई हैं लेकिन कांग्रेस के सहयोगियों ने साफ कर दिया कांग्रेस नहीं तो विपक्ष नहीं।

वर्तमान समय की राजनीति में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाला अलग धड़ा दिखाई दे रहा है जो कांग्रेस के बिना भाजपा से टक्कर लेना चाहता है। लेकिन ममता बनर्जी की शरद पवार से मुलाकात से पहले और संजय राउत की राहुल से मुलाकात के बाद स्थिति काफी स्पष्ट दिखाई दे रही है कि ममता को या तो कांग्रेस को साथ लेना होगा या फिर कुछ महत्वपूर्ण दल उनके साथ नहीं आएंगे।

दरअसल, ममता बनर्जी साल 2024 से पहले टीएमसी को मजबूत करने में

जुटी हुई हैं। इसके लिए वो लगातार प्रमुख नेताओं से मुलाकात कर रही हैं। इसी कड़ी में ममता बनर्जी ने एनसीपी चीफ से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था कि जो भी भाजपा के खिलाफ है सभी का हमारे साथ आने के लिए स्वागत है।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने ज्वालामुखी विस्फोट से तबाह हुए इलाकों का दौरा किया

लुमाजांग (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने ज्वालामुखी विस्फोट से तबाह हुए इलाकों का मंगलवार को दौरा किया और वहां शीघ्रता से पुनर्निर्माण कार्य किये जाने का वादा किया। माउंट सेमेरू पर स्थित ज्वालामुखी में शनिवार को अचानक विस्फोट होने के बाद पूर्वी जावा प्रांत में कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग बेघर हो गये। राष्ट्रपति जोको विदोदो ने पूर्वी जावा प्रांत के लुमाजांग जिले का दौरा किया और लोगों से कहा कि राहत सामग्री जरूरतमंदों तक पहुंचाई जा रही है। फुटबॉल के एक मैदान में लगाये गये शिविरों में लोगों से मिलने के बाद राष्ट्रपति ने लुमाजांग को अन्य शहरों से जोड़ने वाले मुख्य पुल सहित अन्य बुनियादी ढांचो का पुनर्निमाण करने तथा जोखिम वाले क्षेत्रों से और 2,000 मकानों को हटाने का वादा किया। राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि घटना के बाद 56 लोग अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से ज्यादातर झुलस गये थे। उन्होंने बताया कि बचावकर्मी अब भी 17 ग्रामीणों की तलाश कर रहे हैं, जो विस्फोट के बाद से लापता हैं। करीब 3,000 मकान और 38 स्कूल भवन क्षतिग्रस्त हो गये। इंडोनेशियाई रेड क्रॉस में सेमेरू आपात प्रतिक्रिया के लिए क्षेत्र समन्वयक एंडरिस आर. पुत्रो ने कहा कि मृतकों और लापता लोगों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि काफी बड़ा क्षेत्र पर्वतीय और दुर्गम है।

ड्रैगन का दुस्साहसः चीन ने ताइवान के क्षेत्र में नौ विमान भेजे, इस माह पांचवीं बार की घुसपैठ

ताइपे। कई बार दी गई चेतावनी के बावजूद चीन पड़ोसी देशों को धमकाने और वहां कब्जा करने की रणनीति से बाज नहीं आ रहा है। उसने एक बार फिर ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में नौ सैन्य विमानों को भेजा है। इस माह चीनी विमानों की यह पांचवीं घुसपैठ है। हालांकि ताइवान ने भी इसका जवाब दिया, जिसके बाद चीनी विमान वहां से भाग खड़े हुए। ताइवान न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, दो पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स के शेनयांग जे-11 लड़ाकू विमान, एक शानक्सी वाई-8 पनडुब्बी रोधी युद्धक विमान, और एक शानक्सी वाई-8 टोही हवाई जहाज ने एडीआईजेड के दक्षिण-पश्चिम में उड़ान भरी। घुसपैठ के जवाब में, ताइवान ने विमान भेजे और पीएलएएएफ विमानों को ट्रैक करने के लिए वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली तैनात करते हुए रेडियो चेतावनी जारी की। यह तब हुआ जब बीजिंग लोकतांत्रिक द्वीप पर अपनी संप्रभुता का दावा करता है और ताइवान में सैन्य घुसपैठ बढ़ा रहा है। इस माह अभी तक चीन के 13 सैन्य विमानों ने ताइवान में घुसपैठ की है। ताइवान में चीन की बढ़ती सैन्य घुसपैठ के बीच अमेरिकी वाणिज्य मंत्री जीना एम. रायमोंडो ने ताइपे के लिए वाशिंगटन के समर्थन को दोहराया है। उन्होंने कहा, अमेरिका सामान्य हितों के वाणिज्यिक मुद्दों पर ताइवान के साथ चीनी तनाव के बावजूद काम करने को उत्सुक है। इस संबंध में रायमोंडो और ताइवान के आर्थिक मामलों के मंत्री वांग मेई-हुआ के बीच फोन पर बातचीत हुई।

चीन को सता रही घटती जनसंख्या की चिंता, लोगों पर 3 बच्चे पैदा करने का बढ़ा रहा दबाव

बीजिंग। बूढ़े हो रहे चीन को अब अपने देश की घटती जन्मदर की चिंता सताने लगी है। जनसंख्या बढ़ाने के लिए ड्रैगन अब अपने लोगों पर तीन बच्चे पैदा करने का दबाव बना रहा है। जबकि हकीकत यह है कि चीन की युवा पीढ़ी अब न तो शादी करना चाहती है और न ही बच्चे पैदा करने में रूचि दिखा रही है। चीन सरकार ने अ लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रांतों में दंपतियों को तीसरी संतान के लिए गर्भावस्था व प्रसव के दौरान आने वाले खर्च में सब्सिडी देने और करों में छूट देने सहित कई सहायक उपायों की घोषणा की है। उसके इस कदम का उद्देश्य विश्व की सर्वाधिक आबादी वाले देश में जन्म दर में तेजी से हो रही कमी को रोकना है। चीन की राष्ट्रीय संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) ने अगस्त में तीन संतान की नीति को औपचारिक मंजूरी दी थी। यह देश में गहराते जनासंख्यकीय संकट का हल करने का एक बड़ा नीतिगत कदम है। एनपीसी ने एक संशोधित जनसंख्या एवं परिवार नियोजन कानून पारित किया, जो चीनी दंपतियों को तीन संतान रखने की अनुमति देता है। यह संभवत- बच्चों के लालन-पालन पर आने वाले खर्च के कारण अधिक संतान रखने में चीनी दंपतियों के रुचि नहीं लेने की समस्या का समाधान करने के लिए उठाया गया कदम है। अगस्त में जनसंख्या एवं परिवार नियोजन कानून पारित किये जाने के बाद से चीन के 20 से अधिक प्रांतीय स्तर के क्षेत्रों ने अपने स्थानीय शिशु जन्म नियमों में संशोधन किये हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की सोमवार की खबर के मुताबिक बीजिंग, शिचुआन और जियांक्सी सहित अन्य क्षेत्रों ने इस सिलसिले में कई सहायक उपायों की घोषणा की गई है। इनमें पितृत्व अवकाश देना, मातृत्व अवकाश एवं विवाह के लिए छुट्टी की अवधि बढ़ाना और पितृत्व अवकाश की अवधि बढ़ाना आदि शामिल है।

पूर्व अफगान गुरिल्ला कमांडर के बेटे ने ताजिकिस्तान में ब्लैकवाटर प्रमुख से की मुलाकात : रिपोर्ट

काबुल। दिवंगत पूर्व अफगान गुरिल्ला कमांडर अहमद शाह मसूद के बेटे अहमद मसूद ने ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में निजी सुरक्षा फर्म ब्लैकवाटर के संस्थापक एरिक प्रिंस से मुलाकात की है। खामा प्रेस के अनुसार रिपोर्टों ने उनकी बैठक की पुष्टि की है लेकिन विवरण का खुलासा नहीं किया गया है। ब्लैकवाटर एक निजी अमेरिकी संगठन है जो विदेशों में अमेरिकी राजनयिक मिशनों और राजनयिकों को सुरक्षित करने के लिए अनुबंध प्राप्त करता है। खामा प्रेस ने बताया कि तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने और पंजशीर प्रांत के पतन के बाद अहमद मसूद अफगानिस्तान से भाग गया था। काबुल के उत्तर में पंजशीर जिसे तालिबान के खिलाफ प्रतिरोध मोर्चा के रूप में जाना जाता था, 90 के दशक में तालिबान के पांच साल के शासन के दौरान ध्वस्त नहीं हुआ था। विशेष रूप से अहमद शाह मसूद ने तालिबान से घाटी को बचाने की कसम खाई थी और कहा था कि वह 'ईश्वर, न्याय और स्वतंत्रता' के लिए अपने प्रतिरोध को कभी नहीं रोकेंगे।

डा.फॉसी बोले-डेल्टा के मुकाबले कम खतरनाक है ओमीक्रोन, फ्रांस में कोरोना के रिकार्ड 60 हजार नए मामले

वाशिंगटन। दक्षिण अफ्रीका में सबसे पहले मिले कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन ने दुनिया के सभी देशों को एक बार फिर से अलर्ट मोड में डाल दिया है। घातक कोरोना वायरस के नए वैरिएंट - ओमिक्रोन' से दुनिया भर में एक बार फिर डर का माहौल है। सभी वैज्ञानिक और शोधकर्ता इस पर रिसर्च में जुटे हैं। फ्रांस में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 59,019 नए मामले सामने आये जो नवंबर 2020 के बाद से दैनिक मामलों की रिकॉर्ड संख्या है। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय से संबद्ध फ्रेंच पब्लिक हेल्थ एजेंसी के मुताबिक इसी अवधि में 168 मरीज अपनी जान गंवा बैठे। नए मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 80 लाख 94 हजार 445 हो गया है। वहीं इस बीमारी से मरने वालों की संख्या एक लाख 20 हजार 891 हो गई है। देश में 12,714 सक्रिय मामले हैं। एजेंसी के मुताबिक कि फ्रांस में पिछले 24 घंटों में छह लाख 87 हजार 498 लाभार्थियों को बूस्टर डोज दिए हैं। गत एक सितंबर से देश में बूस्टर डोज अभियान शुरू होने के बाद अब तक कुल एक करोड़ 16 लाख 19 हजार 831 लोगों को बूस्टर डोज दिये जा चुके हैं। फ्रांस सरकार ने देश में कोरोना की नयी लहर पर अंकुश लगाने के

लिए नए उपायों के तहत चार सप्ताह के लिए नाइट क्लबों को बंद करने तथा स्कूलों में फेस मास्क के उपयोग की अनिवार्यता और बच्चों के लिए टीकाकरण अभियान में तेजी लाने के दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस बीच अमेरिका के संक्रामक बीमारियों के विशेषज्ञ डाक्टर एंथनी फॉसी का राहत भरा बयान आया है। उन्होंने कहा कि यह नया वैरिएंट पुराने वैरिएंट की तुलना में कम खतरनाक है। उन्होंने यह भी कहा कि ओमीक्रोन अत्यधिक संक्रामक है।

हालांकि उन्होंने कहा कि इसके लिए और डाटा की जरूरत है। डाक्टर फॉसी ने व्हाइट हाउस में एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि ओमीक्रोन से संक्रमण के प्रारंभिक मामलों को में गिने चुने मरीजों को ही अस्पताल की जरूरत पड़ी है या फिर आक्सीजन की भी खास जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह तक और डेटा मिल जाएगा।

डाक्टर ने कहा कि निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचने में अभी कुछ समय और लगेगा। अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीकी देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिया है। बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि यूरोप में पांच से 14 साल आयुवर्ग के बच्चों में कोरोना संक्रमण दर सबसे ज्यादा पाई गई है। वहीं, डेनमार्क में ओमिक्रोन वैरिएंट पूरे देश में फैल गया है और उसका सामुदायिक संक्रमण हो चुका है।

पीएम इमरान ने माना- पाक में धर्म की आड़ में हिंसा बढ़ी, ईशनिंदा के नाम पर गलत दिशा में जा रहा देश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार धर्म के नाम पर भीड़ की हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेगी और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को नहीं बख्शेगी। वह मारे गए श्रीलंकाई नागरिक प्रियंता कुमारा के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय में आयोजित एक शोक सभा को संबोधित कर रहे थे, जिनकी पिछले हफ्ते पंजाब प्रांत के सियालकोट में ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी और उसके शव को आग लगा दी थी। उन्होंने कहा, ''धर्म की आड़ में हिंसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।'' खान ने कहा कि सियालकोट की घटना ने देश को 'ऐसी घटनाओं को समाप्त करने÷ के लिए एक बिंदु पर ला खड़ा किया है। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि पाकिस्तान में लोग पवित्र पैगंबर के नाम पर दूसरों की हत्या कर रहे हैं और ईशनिंदा के आरोपी जेलों में सड़ रहे हैं क्योंकि वकील और न्यायाधीश ऐसे मामलों में सुनवाई करने से डरते हैं। खान ने कहा कि पाकिस्तान एकमात्र ऐसा देश है जिसकी

स्थापना इस्लाम के नाम पर हुई थी, लेकिन सियालकोट जैसी घटनाएं शर्म की बात हैं। उन्होंने कहा कि 'हम पूरी तरह से अलग दिशा में जा रहे हैं' और राष्ट्र को पैगंबर के जीवन का अध्ययन करना चाहिए।

कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के समर्थकों सहित 800 से अधिक लोगों की भीड़ ने पिछले शुक्रवार को लाहौर से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित सियालकोट जिले में एक कपड़ा कारखाने पर हमला किया था और ईशनिंदा के आरोप में इसके महाप्रबंधक प्रियंता कुमारा दियावदनागे की हत्या कर दी थी तथा उनके शव को आग लगा दी थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, इस बर्बर घटना में दियावदनागे की लगभग सभी हड्डियां टूट गई थीं और उनका शरीर 99 फीसदी जल गया था। दियावदनागे का शव सोमवार को श्रीलंका भेज दिया गया था।

पाकिस्तान के फैसलाबाद में एक कारखाने में मैकेनिकल इंजीनियर की नौकरी मिलने के बाद दियावदनागे 2011 में पाकिस्तान पहुंचे थे। एक साल बाद, वह सियालकोट की राजको इंडस्ट्रीज में महाप्रबंधक के रूप में शामिल हो गए और वह इस कारखाने में काम करने वाले एकमात्र श्रीलंकाई नागरिक थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी निलुशी और 14 तथा नौ वर्षीय दो बेटे हैं। निलुशी ने पाकिस्तान सरकार से अपने पति की हत्या के मामले में न्याय और मुआवजे की अपील की है तथा पाकिस्तानी धरती पर सभी श्रीलंकाई लोगों की सुरक्षा का आग्रह किया है। खान ने कहा कि सियालकोट के व्यापारिक समुदाय ने मृतक श्रीलंकाई नागरिक के परिवार के लिए 100,000 डॉलर एकत्र किए हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को जीवनपर्यंत अवधि के लिए उनका (मृतक) मासिक वेतन मिलेगा।

विदेश सचिव श्रृंगला ने बांग्लादेशी नेताओं से की मुलाकात, बढ़ते द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की

ढाका। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के ढाका दौरे से पहले विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने मंगलवार को बांग्लादेश के शीर्ष नेताओं से यहां मुलाकात की और कोविड-19 महामारी से निपटने समेत दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग की समीक्षा की। यहां दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर पहुंचे श्रृंगला ने अपने समकक्ष मसूद बिन मोमिन से भी मुलाकात की और सभी मोर्चों पर द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति पर चर्चा की। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग ने एक ट्वीट में कहा कि अपने समकक्ष के साथ मुलाकात के दौरान विदेश सचिव ने ÷भारत और बांग्लादेश के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के 50 साल पूरे होने पर विशेष वर्ष में सभी मोर्चों पर द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति पर चर्चा की।÷ वार्ता के बाद मीडिया से श्रृंगला ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच लंबित द्विपक्षीय मुद्दों के संदर्भ में कोई अहम मतभेद नहीं है। इस दौरान उनके साथ अपने समकक्ष विदेश मंत्री ए के अब्दुल मोमिन भी थे। वहीं मसूद ने बातचीत को सार्थक बताते हुए कहा कि उन्होंने सभी लंबित मुद्दों के अलावा 'चर्चा की कि हम अपनी सीमाओं को कैसे शांतिपूर्ण बना सकते हैं।'

चीन की क्रूरता: हिरासत केंद्र में बंदी की मदद करने वाले उइगर पुलिसकर्मी की ले ली जान

बीजिंग। चीन सरकार अशांत शिनजियांग प्रांत में मुस्लिमों और अन्य अल्पसंख्यकों को क्रूरता से हिरासत शिविरों में बंद कर उनपर अत्याचार कर रही है। चीन की शी जिनपिंग की सरकार द्वारा सुनियोजित तरीके से उइगरों का दमन किया जा रहा है। मानवाधिकारों के हनन को लेकर चीन की एक और करतूत सामने आई है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार चीन ने एक उइगर पुलिस कर्मी को शिनजियांग के हिरासत केंद्र में एक बंदी की मदद करने पर मौत के घाट उतार दिया। इस संबंध में कुछ दिन पहले एक रिपोर्ट में कहा गया था कि हिरासत केंद्र में एक उइगर पुलिस कर्मी ने आत्महत्या लेकिन अब सामने आया है कि उसे मारा गया था। वाशिंगटन स्थित प्रकाशन RFA ने कहा कि नूरमेमेट युसुप की अगस्त के पहले सप्ताह के दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। एक सूत्र का हवाला देते हुए RFA ने कहा कि मौत का कारण तुरंत स्पष्ट नहीं था। बाद में पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नूरमेमेट ने पूछताछ के दौरान आत्महत्या कर ली। शिनजियांग की राजधानी में पुलिस स्टेशन में काम करने वाले नूरमेमेट को जुलाई के अंत में एक अपराधी के साथ सहानुभूति रखने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार उइगर पुलिस अधिकारी के बारे में कहा गया था कि उन्होंने ÷एक शिविर बंदी के चेहरे से उल्टी का खून पोंछ दिया था जिसके बाद नूरमेमेट को मौत के घाट उतार दिया गया। उरुमकी के उलानबे जिले के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि नूरमेमेट की मौत एक राजकीय रहस्य थी और अधिकारियों को कारण का खुलासा नहीं करने के लिए एक विशेष नोटिस जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि 'हम इस मामले को जानते हैं, लेकिन यह एक राज्य रहस्य है,' । 'हम आपको इस बारे में कुछ नहीं बता सकते।' बता दें कि चीन को उइगर मुसलमानों को सामूहिक निरोध शिविरों में भेजने, उनकी धार्मिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करने और समुदाय के सदस्यों को किसी प्रकार की जबरन पुनर्शिक्षा या शिक्षा से गुजरने के लिए विश्व स्तर पर फटकार लगाई जा रही है।

फ्रांसः पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में संदिग्ध सऊदी अरब का पूर्व शाही गार्ड गिरफ्तार

मास्को। चीन सरकार अशांत शिनजियांग प्रांत में मुस्लिमों और अन्य अल्पसंख्यकों को क्रूरता से हिरासत शिविरों में बंद कर उनपर अत्याचार कर रही है। चीन की शी जिनपिंग की सरकार द्वारा सुनियोजित तरीके से उइगरों का दमन किया जा रहा है। मानवाधिकारों के हनन को लेकर चीन की एक और करतूत सामने आई है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार चीन ने एक उइगर पुलिस कर्मी को शिनजियांग के हिरासत केंद्र में एक बंदी की मदद करने पर मौत के घाट उतार दिया। इस संबंध में कुछ दिन पहले एक रिपोर्ट में कहा गया था कि हिरासत केंद्र में एक उइगर पुलिस कर्मी ने आत्महत्या लेकिन अब सामने आया है कि उसे मारा गया था। वाशिंगटन स्थित प्रकाशन RFA ने कहा कि नूरमेमेट युसुप की अगस्त के पहले सप्ताह के दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। एक सूत्र का हवाला देते हुए RFA ने कहा कि मौत का कारण तुरंत स्पष्ट नहीं था। बाद में पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नूरमेमेट ने पूछताछ के दौरान आत्महत्या कर ली। शिनजियांग की राजधानी में पुलिस स्टेशन में काम करने वाले नूरमेमेट को जुलाई के अंत में एक अपराधी के साथ सहानुभूति रखने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार उइगर पुलिस अधिकारी के बारे में कहा गया था कि उन्होंने 'एक शिविर बंदी के चेहरे से उल्टी का खून पोंछ दिया था जिसके बाद नूरमेमेट को मौत के घाट उतार दिया गया ।उरुमकी के उलानबे जिले के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि नूरमेमेट की मौत एक राजकीय रहस्य थी और अधिकारियों को कारण का खुलासा नहीं करने के लिए एक विशेष नोटिस जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि 'हम इस मामले को जानते हैं, लेकिन यह एक राज्य रहस्य है,' । 'हम आपको इस बारे में कुछ नहीं बता सकते।' बता दें कि चीन को उइगर मुसलमानों को सामूहिक निरोध शिविरों में भेजने, उनकी धार्मिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करने और समुदाय के सदस्यों को किसी प्रकार की जबरन पुनर्शिक्षा या शिक्षा से गुजरने के लिए विश्व स्तर पर फटकार लगाई जा रही है।

आंग सान सू कीः म्यांमार की अपदस्थ नेता पर कई आरोप, दोषी साबित हुई तो मिल सकती है 100 साल कैद की सजा

मास्को। नोबेल विजेता और म्यांमार की अपदस्थ नेता आंग सान सू की को कोरोना नियमों के उल्लंघन करने के लिए दो साल की जेल की सजा सुनाई गई है। पहले चार साल की सजा सुनाई गई थी लेकिन बाद में इसे दो साल कम कर दिया गया। स्टेट टीवी के मुताबिक, सू की को मूल रूप से चार साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन देश के सैन्य प्रमुखों द्वारा उसे आधा कर दिया गया यानी दो साल की सजा को कम कर दिया गया। दरअसल, आंग सान सू की पर कई आरोप हैं। सू की अगर सभी आरोपों में दोषी पाई जाती हैं तो उन्हें 100 साल से अधिक की सजा मिल सकती है।

बता दें कि आंग सान सू पर भ्रष्टाचार, आधिकारिक गुप अधिनियम उल्लंघन, दूरसंचार कानून और कोरोना नियमों के उल्लंघन सहित कई आरोप लगे हैं। हालांकि, सू की ने सेना द्वारा लगाए गए आरोपों से इनकार किया है। संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ और यूके सरकार सहित कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने कोर्ट के इस फैसले और जेल की सजा की निंदा की है। सभी ने मुकदमे

को राजनीति से प्रेरित बताया। अदालत के इस फैसले के बाद म्यांमार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आंग सान सू की को दी गई सजा से यह पता चलता है कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है और सेना प्रमुख ने केवल 'मानवता के आधार' पर उनकी सजा को कम कर दिया है। बता दें कि बीते दिनों म्यांमार की अदालत ने नागरिक वहां की जननेता आंग सान सू की को सेना के खिलाफ असंतोष भड़काने और कोरोना नियमों का उल्लंघन करने के लिए चार साल जेल की सजा सुनाई थी जिसे बाद में दो साल कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, आंग सान सू की के खिलाफ मामलों को व्यापक रूप से उन्हें बदनाम करने और अगला चुनाव लड़ने से रोकने के लिए साजिश के रूप में देखा जा रहा है। देश का संविधान किसी को भी जेल की सजा सुनाए जाने पर उच्च पद पर आसीन होने या सांसद-विधायक बनने से रोकता है। म्यामार में गत नवंबर में हुए चुनाव में सू ची की पार्टी को एकतरफा जीत मिली थी, जबकि सेना से संबद्ध दल को कई सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। उस समय सेना ने मतदान में धांधली का आरोप लगाया था लेकिन स्वतंत्र चुनाव पर्यवेक्षकों को जांच में धांधली का पता नहीं चला। इस साल की शुरुआत में अमेरिका शिनजियांग में चीनी कार्रवाइयों को 'नरसंहार' घोषित करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया। फरवरी में, कनाडा और डच दोनों संसदों ने उइगर संकट को नरसंहार के रूप में मान्यता देने वाले प्रस्तावों को अपनाया। ऐसा करने वाली यूरोप की पहली संसद बनी। अप्रैल में यूनाइटेड किंगडम ने भी शिनजियांग में चीन की चल रही कार्रवाई को 'नरसंहार' घोषित किया।

शर्मनाकः पाकिस्तान में महिलाओं के कपड़े उतरवाकर की लाठी-डंडों से पिटाई, सड़क पर नग्न अवस्था में कराई गई परेड

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से इंसानियत तो शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां के पंजाब प्रांत के फैसलाबाद में चार महिलाओं के साथ बदसलूकी की गई। बीच सड़क पर उनके कपड़े उतरवाए गए, इसके बावजूद लोग नहीं माने और लाठी-डंडो से उनकी पिटाई भी की। घटना का पूरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। करीब एक घंटे तक चले इस घटनाक्रम में चारों महिलाएं दया की भीख मांगती हुई नजर आ रही हैं।

दुकान से चोरी का लगाया आरोप

पीड़ित महिलाओं ने बताया कि वे फैसलाबाद के एक बाजार

में कूड़ा बीनने गई हुई थीं। इसी बीच उनको प्यास लगी तो वे उस्मान इलेक्ट्रिक स्टोर पर जाकर पानी की बोतल मांगने लगीं। लेकिन दुकान मालिक सद्दाम ने उन्हें दुकान से चोरी करने वाला समझ लिया और आरोप लगाकर पिटाई शुरू कर दी। इसी बीच वहां भीड़ इकट्ठा हो गई। भीड़ ने महिलाओं के कपड़े उतरवाए, उन्हें सड़क पर नंगा चलाया और उनकी पिटाई भी की।

वीडियो वायरल होने बाद हरकत में आई पुलिस

घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई। पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि मामले में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी को गिरफ्तार भी किया गया है, मामले की जांच चल रही है।

चीन को एक और झटका : ऑस्ट्रेलिया भी बीजिंग ओलंपिक का राजनयिक बहिष्कार करेगा, कनाडा भी कर रहा विचार

सिडनी। अमेरिका के बाद ऑस्ट्रेलिया ने भी बीजिंग ओलंपिक का राजनयिक बहिष्कार करने का फैसला कर चीन को बड़ा झटका दे दिया है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने बीजिंग ओलंपिक के राजनयिक बहिष्कार की बात कही है। इससे पहले चीन के कमजोर मानवाधिकार रिकॉर्ड के चलते अमेरिका ने 2022 के शीतकालीन ओलंपिक खेलों का कूटनीतिक बहिष्कार करने की घोषणा की थी।

अमेरिका के इस कदम को चीन के लिए कड़ा संदेश माना जा रहा था। हालांकि, अमेरिका के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा कि अमेरिका का खेलों के राजनयिक बहिष्कार का फैसला ओलंपिक भावना का उल्लंघन है। अमेरिका ने यह एलान ऐसे समय पर किया है जब चीन ने इस तरह के राजनयिक बहिष्कार के खिलाफ 'जवाबी कार्रवाई' करने का संकल्प लिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा कि अमेरिकी खिलाड़ी इन ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेंगे और खिलाड़ियों को हमारा पूरा समर्थन मिलेगा लेकिन हम खेलों से जुड़े विभिन्न समारोहों का हिस्सा नहीं बनेंगे। वाशिंगटन ने महीनों तक विचार के बाद यह फैसला लिया है। शीतकालीन ओलंपिक्स अगले वर्ष फरवरी में आयोजित होने हैं। साकी ने कहा, चीन के शिनजियांग में मानवाधिकारों के हनन और अत्याचार को देखते हुए अमेरिकी राजनयिक इन खेलों को आम घटनाक्रम की तरह लेंगे। हम चीन और उसके बाहर मानवाधिकार को बढ़ावा देने के लिए काम करते रहेंगे। बता दें कि चीन पर शिनजियांग, तिब्बत और हांगकांग में मानवाधिकार हनन के कई आरोप लगे हैं। अमेरिकी फैसले पर आपत्ति जताते हुए चीन ने चेताया, यदि वाशिंगटन फरवरी के शीतकालीन ओलंपिक खेलों का राजनयिक बहिष्कार करता है तो बीजिंग इस पर जवाबी कार्रवाई करेगा। अमेरिका में चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियु पेंग्यु ने कहा कि यदि अमेरिका ऐसा करता है तो यह राजनीतिक तौर पर भड़काने वाली कार्रवाई होगी। चीन ने कहा, यह कदम दिखावापूर्ण और ओलंपिक चार्टर भावना की गंभीर विकृति है। पेंग्यु ने बाइडन प्रशासन का फैसला एक सियासी हेरफेर बताते हुए कहा, इसका आयोजन की सफलता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बीजिंग में 2022 शीतकालीन ओलंपिक खेलों के कूटनीतिक बहिष्कार के बारे में अमेरिकी फैसले से कनाडा अवगत है।

सुविचार सज्जन पुरुष बादलों के समान देने के लिए ही कोई वस्तु ग्रहण करते हैं। - कालिदास

संपादकीय

भारत-रूस दोस्ती

भारत-रूस 21वीं सालाना शिखर बैठक के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दिल्ली आना स्पष्ट करता है कि मास्को की निगाह में भारत की क्या अहमियत है। रूसी राष्ट्रपति ने भारत को यूं ही एक परखा हुआ मित्र नहीं कहा है, इस मित्रता ने पांच दशकों का अडिग सफर तय किया है। 9 अगस्त, 1971 को तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी व सोवियत नेता लियोनिड ब्रेझनेव ने इसकी नींव रखी थी और यह साल-दर-साल पुख्ता होती गई। यहां तक कि सोवियत संघ के विघटन के बाद भी जब दुनिया एकध्रुवीय हुई, उस दौर में भी नई दिल्ली और मास्को ने आपसी रिश्तों की चमक फीकी नहीं पड़ने दी और दोनों देशों की उत्तरोतर सरकारों ने अपने तमाम व्यावहारिक तकाजों को पूरा करते हुए और देशहित में नए रिश्तों को बुनते हुए एक-दूसरे की भावनाओं का हमेशा ख्याल रखा। इसमें कोई दोराय नहीं कि पिछले दशक में अमेरिका, खासकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल और उनकी नीतियों के कारण वैश्विक मंचों पर वाशिंगटन की आभा मलिन पड़ी, तो वहीं चीन का प्रभाव बढ़ा। मगर साथ ही कई विकासशील देशों की चिंताएं गहराने लगीं, क्योंकि बीजिंग की विस्तारवादी भौगोलिक-आर्थिक नीतियों से ये मुल्क अपने लिए खतरा महसूस करने लगे। गलवान घाटी में हमने चीनी दुस्साहस का बदतर रूप तो देखा ही, संयुक्त राष्ट्र में इस्लामाबाद प्रायोजित प्रस्तावों को बार-बार उसे आगे बढ़ाते हुए भी देखा। और इन सभी मौकों पर रूस ने खुलकर भारत का साथ दिया। गौरतलब है कि अमेरिका के विरुद्ध रूस और चीन के संबंधों में अपेक्षाकृत नजदीकी बढ़ने के बावजूद मास्को हमारे हक में मजबूती से खड़ा रहा है। रूस जानता है कि भारत भी मित्रता निभाने में उससे पीछे नहीं है। मात्र छह घंटे की रूसी राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान 28 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर भी दोनों देशों के मजबूत संबंध की कहानी कहते हैं। खासकर रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के रिश्ते की मजबूती का अंदाजा इस बात से चल जाता है कि एस-400 मिसाइल प्रणाली के सौदे को लेकर अमेरिका, चीन, तुर्की सहित कई देशों की नाखुशी को दोनों देशों ने महत्व नहीं दिया। हालांकि, तालिबान के मामले में रूस शुरुआत में भ्रम का शिकार रहा और ऐसा लगा कि वह तालिबान सरकार को मान्यता देने को तैयार बैठा है, लेकिन जब भारत ने अपनी चिंताएं उसके सामने रखीं, तो मास्को ने अपनी अफगान नीति पर गौर किया। आज दोनों देशों की काबुल से एक ही मांग है कि तालिबान हुकूमत पहले समावेशी सरकार गठित करे और अपनी धरती से पड़ोसी देशों में आतंकवाद के निर्यात को रोकने की प्रतिबद्धता दिखाए। कश्मीर में पाकिस्तानी कुचक्र को तोड़ने के लिए अफगानिस्तान पर रूस का दबाव असरदार साबित हो सकता है। चीन और पाकिस्तान की कुटिल दोस्ती को देखते हुए अफगानिस्तान मामले में हमें मास्को के साथ की दरकार रहेगी। बल्कि चीन के साथ रिश्तों में आई खटास को दूर करने में भी रूसी सहयोग महत्वपूर्ण है। इसी तरह, वैश्विक मंचों पर अपने महत्व को फिर से हासिल करने के लिए रूस को हमारे साथ की जरूरत है। भारत दुनिया का एक विशाल और प्रतिष्ठित लोकतंत्र तो है ही, बड़ी अर्थव्यवस्था भी है, इसे कोई दरगुजर नहीं कर सकता।

रक्षा क्षेत्र में और आगे बढ़े भारत-रूस के कदम

– डॉ. रमेश ठाकुर

रूस के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंध हमेशा से कसौटी पर खरे उतरे हैं। चाहे रक्षा क्षेत्र के करार हों, सामरिक साझेदारियां हों, आतंकवाद से लड़ने में सहयोग का मामला हो, सभी क्षेत्रों में बेहतर परिणाम सामने आए हैं।संबंध अब नए सिरे से और आगे बढ़ने आरंभ हुए, जिनको पुतिन की यात्रा ने पंख लगाए। पुतिन बेशक कुछ ही घंटों के लिए हिंदुस्तान आए, पर खुराफाती देशों में खलबली मचा गए। हिंदुस्तान धीरे-धीरे संप्रभु ताकत बन रहा है, यही वजह है दुनिया अपने आप खिंचती आ रही है। जहां तक दोस्ती की बात है तो सिर्फ रूस-भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया इस बात को अच्छे से जानती है कि दोनों की दोस्ती अन्य मुल्कों के मुकाबले सबसे भरोसेमंद रही है। आगे भी रहेगी, क्योंकि इसकी तस्दीक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा ने की है। पुतिन का करीब डेढ़-दो वर्षों बाद हिंदुस्तान आना हुआ। कुछ समय के लिए ही आए, लेकिन इस दरम्यान उन्होंने रिश्तों में जो प्रगाढ़ता बढ़ाई वह काबिले तारीफ रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनका दिल खोलकर स्वागत-सम्मान किया। वैसे, दोनों नेताओं की दोस्ती पहले से ही प्रगाढ़ रही है। राजनीतिक रिश्तों के इतर भी दोनों अपने आपसी संबंधों को तवज्जो देते हैं। भारत-रूस के मध्य दोस्ती की निरंतरता यूं ही बनी रहे, इसकी उम्मीद सभी करते हैं। दरअसल, यूपी के अमेठी जिले में राइफल बनाने के लिए खुल रही आयुध फैक्ट्री में रूस की मदद बहुत जरूरी है। एके-203 राइफल बनाने में रूस माहिर है, इस लिहाज से उनका सहयोग अत्यंत जरूरी है। भारत सरकार ने पूर्व में ही रूस से लंबी दूरी के जमीन से आसमान में मारक क्षमता वाली एयर-मिसाइल डिफेंस सिस्टम एम-400 की खरीद के लिए उनसे करार किया हुआ है। पहली खेप मिल भी चुकी है, अगले साल तक और मिल जाएगी। इस करार से भारत ने अपनी क्षमता का परिचय उन देशों को दिया है, जो खुद को आधुनिक हथियारों में अग्रणी समझते हैं। विशेषकर अमेरिका और चीन। रूस के साथ भारत के ताजा करार ने चीन-पाक को असहज कर दिया है। गौरतलब है कि विभिन्न तरह की मुसीबतें और समस्याएं आईं, पर भारत-रूस की दोस्ती पर कभी असर नहीं पड़ा। आज से नहीं, बल्कि दशकों से रूस-भारत के द्विपक्षीय संबंध कसौटी पर खरे उतरे हैं, जिसे अब रूसी राष्ट्रपति की यात्रा ने और मजबूती प्रदान की है। उनकी यात्रा पर चीन-पाकिस्तान की भी नजरें रही। उन्हें पता है अगर दोनों देश मजबूती से साथ आ गए तो अफगानिस्तान में उनका खेल बिगड़ जाएगा। अफगानिस्तान के मौजूदा हालात पर भी दोनों नेताओं के बीच लंबी बातचीत हुई। इस संबंध में रूस-भारत के विदेश मंत्रियों के मध्य टू-प्लस-टू वार्ता में कई मसलों पर मंथन हुआ, जिसका असर आने वाले दिनों में दिखाई भी देगा। 21वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में कुछ कूटनीतिक निर्णयों में ऐसा फैसला लिया जाएगा जिससे पाक-चीन की नापाक हरकतें एक्सपोज होंगी। इसमें भारत-रूस के साथ और भी कुछ देश साथ आएंगे। इसके लिए नए सिरे से रणनीति बनाई जा रही है। अमेठी में करीब पांच लाख राइफलों का निर्माण जाएगा, जिससे भारत की रक्षा क्षमता बढ़ेगी। इसमें हर तरह से सहयोग करने का वादा रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगुए ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के समक्ष किया है। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूसी विदेश मंत्री लावरोव के मध्य एस-400 को लेकर हुई डील भी भारत की रक्षा क्षमता को और बढ़ाएगी। किसी भी मुल्क की सेना के पास अगर एके-203 जैसी लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली राइफलें होंगी, तो दुश्मन उससे मुकाबला करने के लिए सौ बार सोचेगा। करेगा तो सौ फीसदी मुंह की खायेगा। इस बात की भनक दोनों खुराफाती पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान को लग चुकी है। भारत ने रूस से अधिक सैन्य तकनीकी सहयोग की गुजारिश की है जिसे स्वीकार भी किया है। वहीं, भारत इस क्षेत्र में खुद उन्नत अनुसंधानिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। रूस इस बात को जान रहा है कि भारत अपनी मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और अपने लोगों की अंतर्निहित क्षमता के साथ तमाम चुनौतियों पर काबू पाकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। पुतिन का दौरा पहले भी होता रहा है। पर, पहले के मुकाबले पुतिन ने इस बार बदलते भारत की नई तस्वीर देखी। उन्हें इच्छाशक्ति और आत्मनिर्भरता का मजबूत गठजोड़ दिखाई दिया। एक वक्त था जब दूसरे देशों के साथ सैन्य समझौतों में भारत हिचकता था, अविश्वास की कमी दिखती थी। इसलिए भारत के साथ कई मर्तबा धोखे भी हुए, जो करार हुआ उसका पालन नहीं किया गया। हथियारों की खेप समय से नहीं मिली। यहां उन देशों का नाम लेना उचित नहीं जिन्होंने भारत के साथ छल किया था। खैर, बीते दौर की बातों को भुलाकर भारत आगे बढ़ा है और वह भी मजबूती के साथ। उन्हें अब विश्वसनीय नेताओं और देशों का सहयोग मिला है। एक जमाना वो भी था जब अमेरिका का शिकंजा हुआ करता था। कोई भी देश जब किसी मुल्क से सैन्य करार करता था, तो वह अड़ंगा लगाकर जैसा वह चाहता था, वैसा होता था। लेकिन अब वक्त बदल चुका है। सभी मुल्क स्वतंत्र हैं, कुछ भी करने को। अमेरिका कभी नहीं चाहता था सैन्य ताकत में उनसे आगे कोई दूसरा देश निकले लेकिन अब आगे बढ़ चुके हैं। यही अमेरिका की सबसे बड़ी हार है। रूस-भारत जिस तरह बेखौफ होकर सैन्य करार को लेकर आगे बढ़े हैं, वह काबिलेगौर हैं। भारत, रूस सहित कुछ दूसरे मुल्क निकट भविष्य में अमेरिका का डटकर मुकाबला करेंगे, लेकिन उससे पहले चीन-पाक से निपटना होगा। ये ऐसे देश हैं जो प्रत्यक्ष रूप से कुछ नहीं करते, लेकिन दूसरों के कंधों पर बंदूक रखकर वार करते हैं। ये अब तालिबानियों को बेजा इस्तेमाल करने में लगे हैं। उनकी सरकार को मान्यता देने के पीछे ऐसे ही कुछ राज छिपे हैं। लेकिन उनकी नापाक हरकतों से भारत-रूस जैसे देश वाकिफ हैं। भारत-रूस के बीच सैन्य समझौते इन्हीं नापाक हरकतों को कुचलने के लिए हैं। सामरिक, व्यापारिक, शिक्षा, शांति आदि क्षेत्रों में जिस तरह दोनों देश आगे बढ़ते दिख रहे हैं, उससे कइयों को परेशानी होगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

राजनीतिक दलों की जवाबदेही सुनिश्चित हो

अनूप भटनागर

लोकतांत्रिक प्रणाली को अपराधीकरण से मुक्त कराने के न्यायपालिका के प्रयासों को मिली सफलता के बीच अब सजायाफ्ता नेताओं पर आजीवन चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने की मांग जोर पकड़ रही है। न्यायालय भी सरकार से जानना चाहता है कि क्या वह सजायाफ्ता नेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाना चाहती है। एक आम धारणा है कि अदालत द्वारा दोषी ठहराये गये नेताओं के चुनाव लड़ने पर अगर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया जाये तो इससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था आपराधिक तत्वों से पूरी तरह से मुक्त हो सकती है। लेकिन फिलहाल कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए इस बारे में कानून बनाने की आवश्यकता होगी, जिसके लिए राजनीतिक दलों में आम सहमति जरूरी है। इस समय दो साल या उससे अधिक की सजा पाने वाला व्यक्ति जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत छह साल तक चुनाव लड़ने के अयोग्य है। लेकिन अगर गंभीर अपराधों में दोषी पाए गए व्यक्ति को आजीवन चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराया जाना है तो इसके लिए जनप्रतिनिधित्व कानून में संशोधन करना होगा। यह काम संसद को ही करना है। अगर आम सहमति के आधार पर सरकार कोई कानून बनाना चाहेगी तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को रास्ते से हटाने के लिए इसके प्रावधानों का दुरुपयोग नहीं हो। राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त कराने का न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग के स्तर पर पिछले तीन दशकों से प्रयास चल रहा है। इसमें काफी सफलता भी मिली है। न्यायिक हस्तक्षेप का ही नतीजा है कि अब दो साल या इससे ज्यादा अवधि की सजा होने पर पीठासीन सांसद और विधायक भी पद के अयोग्य हो जाता है और उसका स्थान रिक्त घोषित कर दिया जाता है। भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय लंबे समय से प्रयत्नशील है कि अदालत से दोषी ठहराये गए नेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाया जाए लेकिन उन्हें इसमें अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। उपाध्याय का दावा है कि विधायिका में करीब 30 प्रतिशत निर्वाचित प्रतिनिधियों के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं। लेकिन, इनके निपटारे में अत्यधिक विलंब होने की वजह से इन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बाहर नहीं किया जा सकता है। उनकी दलील है कि आपराधिक मामले में दोषी ठहराये गए लोक सेवक और न्यायिक अधिकारियों पर आजीवन प्रतिबंध होता है लेकिन नेताओं के मामले में ऐसा नहीं है। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने पिछले महीने ही केन्द्र सरकार से सवाल किया था कि क्या वह अदालत से सजा पाने वाले नेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार है? शीर्ष अदालत का कहना था कि इस संबंध में केंद्र को ही निर्वाचन आयोग से परामर्श करके जनप्रतिनिधित्व कानून में संशोधन करने का फैसला लेना होगा। हालांकि, केन्द्र सरकार अभी तक दोषी और सजायाफ्ता नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के पक्ष में नहीं है, लेकिन अब उसे एक बार फिर शीर्ष अदालत में अपनी स्थिति साफ करनी है ताकि जनहित याचिका पर कोई निर्णय हो सके। राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त कराने के प्रयासों के दौरान ही न्यायालय में एक अन्य मामला आया था, जिसमे गंभीर अपराध के आरोपों का सामना कर रहे व्यक्तियों को चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित किया जाए। शीर्ष अदालत ने अपनी व्यवस्था में कहा कि कानून में अपेक्षित प्रावधान के अभाव में वह गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे किसी भी निर्वाचित प्रतिनिधि को अयोग्य घोषित नहीं कर सकता। संप्रग सरकार के कार्यकाल के दौरान पूरी संजीदगी के साथ यह मुद्दा उठा था कि ऐसे लोगों को चुनाव लड़ने के अयोग्य बनाया जाये, जिनके खिलाफ यौन शोषण, बलात्कार, बलात्कार के प्रयास, हत्या, हत्या के प्रयास, आतंकी गतिविधियां, धनशोधन और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर अपराधों के आरोप में अदालतों में अभियोग निर्धारित हो चुके हैं, लेकिन राजनीतिक दलों में आम सहमति नहीं बनी। ऐसी स्थिति में निर्वाचन आयोग ने सुझाव दिया कि राजनीतिक दलों को गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे व्यक्तियों को चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार नहीं बनाना चाहिए और ऐसा करके आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को संसदीय व्यवस्था के दायरे से बाहर रखना संभव होगा। इसके बाद, शीर्ष अदालत ने राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों का आपराधिक मामलों सहित पूरा विवरण राजनीतिक दल की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने के साथ ही स्थानीय समाचार पत्रों में इनके विज्ञापन देने का आदेश दिया था। बहरहाल, सरकार और राजनीतिक दलों के ढुलमुल रवैये के बावजूद राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त कराने के न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग के प्रयास जारी हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि देर-सवेर सरकार और प्रमुख राजनीतिक दल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को स्वच्छ बनाने के लिए एकजुट होंगे।

आज के कार्टून

प्रभाव

जग्गी वासुदेव/ मनुष्य होने के कारण हम बहुत सारी अलग-अलग गतिविधियां कर सकते हैं। हमारी गतिविधि चाहे जिस भी तरह की हो, आजकल तो सख्त से सख्त कारोबारी भी सिर्फ लाभ की नहीं बल्कि प्रभाव की भी बात कर रहे हैं। प्रभाव का मतलब यही है कि 'हम किसी के जीवन को छूना चाहते हैं'। चाहे कारोबारी लोग प्रभाव की बात करें, या आप किसी के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाएं, मूल रूप से, कहीं न कहीं आप किसी के साथ कुछ समय के लिये ही सही, अपने बीच की सीमाएं तोड़ना चाहते हैं। एक योगी होने का अर्थ ये है कि आप अपनी व्यक्तिगतता की सीमाओं को मिटाने के लिये तैयार हैं। अपने व्यक्तित्व की सीमाओं को मिटाने के लिए तैयार होना। किसी तरह से, आप उन सीमा रेखाओं को मिटा देना चाहते हैं जो आप को ब्रह्मांड से अलग करती हैं। योग का अर्थ है कि आप उस ओर वैज्ञानिक ढंग से जाएं। आप को कोई बहुत बड़ी गतिविधि नहीं करनी है, शारीरिक संबंधों में नहीं लगना है, किसी भी चीज में नहीं फंसना है। आप अगर जागरूकता से अपनी सीमाएं मिटाते हैं, तो यहां बैठे-बैठे, आपको किसी भी अन्य गतिविधि से अरबों गुना ज्यादा का अनुभव मिलेगा, और ये सब बहुत ही अदभुत होगा। योग का सीधा अर्थ है-अपनी सीमाएं मिटाना। इस धरती पर आपको हर तरफ जो मानवीय पागलपन दिखता है, वह सिर्फ इसलिये है क्योंकि मनुष्यों ने कड़ी सीमाएं बना कर रखी हैं। उन्होंने अपनी सीमाओं को इतना ठोस बना रखा है कि अगर दो लोग मिलते हैं, तो वे झगड़ते ही हैं। योग का अर्थ शरीर को तोड़ना, मरोड़ना नहीं है, न ही ये वजन कम करने या तनाव से मुक्ति दिलाने का कार्यक्रम है। इसका अर्थ सिर्फ यह है कि आप 'मैं बनाम ब्रह्मांड' की मूर्खता को समझ गए हैं। यह तो एकदम पागलपन है कि आप उसके साथ मुकाबला करें जो आप के जीवन का स्रोत है। आप जब ये समझ लेते हैं, तभी आप योग की ओर बढ़ते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप इसे कैसे करते हैं। आप इसे असर कह सकते हैं, सेवा कह सकते हैं, जो चाहे कह सकते हैं। मूल रूप से जब आप समझ जाते हैं कि ये 'मैं बनाम बाकी का ब्रह्मांड' एक बेवकूफी भरा मुकाबला है तो आप अपनी सीमाओं को ढीला करना शुरू कर देते हैं- ये ही योग है। इसका मतलब होता है 'असफल न होने वाले' तरीके से उस ओर बढ़ना।

सू-दोकू नवताल -1984

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

सू-दोकू -1983 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1984

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
4. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टारर फिल्म-2,1,1
6. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-2
7. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-2
8. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
11. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-2
14. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-3
15. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-2
16. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-3
17. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-2
20. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रंभा की फिल्म-4,2
22. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
23. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-2
24. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-2
25. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-2
28. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-2
29. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-2,1,2
30. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-1
31. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'नदिया किनारे आजा' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-2
2. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-3
3. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-2
4. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-4
5. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-2
9. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-3
10. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-2,2
12. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-3
13. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-3
18. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-3
19. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका?-3
20. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-4
21. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-2
22. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-3
24. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-3
26. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
27. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-3
29. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1983

जु	दा	ई		उ	त्स	व		जं	ग
र्म		मा	सु	म		क्त		ग	
	आ	न		रा	नी		दि	ल	से
भा	ई		दे	व		शू	ल		व
	ना			जा	ल		ज	ब	क
भ		श	गु	न		द	ला	ल	
रो	टी		ह		दो	स्त		मा	या
सा		जो		आ		क	र्ज		रा
	स	र	फ	रो	श			ना	ना
ह	त्या			प		सं	ग	म	

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइकिंग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

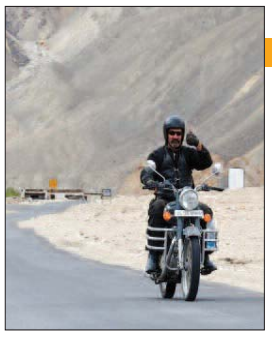

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेरटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखने को मिलती हैं। यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखने को मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न, अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे-नीचे पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तारन और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थानी कल्चर देखने के कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकपेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे।

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

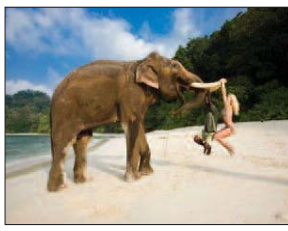

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूब डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंगस बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मज़ा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

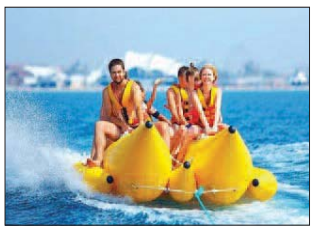

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सितंबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे।

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा डयूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियों की छुट्टियां

सुपारी के पेड़ों वाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्ष भर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षो तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देते हैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीले मैदान व नारियल के पेड़ों की कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षो से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशों से प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शो को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटे हुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिमा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह इंपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखने की उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं। 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं। इस्लाम के पांच स्तंभों से प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्ट भोजन का मजा लेते हुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2021 में मुकेश अंबानी बोले- 5जी को लागू करना भारत की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए

बिजनेस डेस्क: इस साल देश का सबसे बड़ा टेक्नोलॉजी इवेंट इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2021 आज यानि 8 दिसंबर से शुरू हो रहा है। 10 दिसंबर तक चलने वाले इस इवेंट को अभी रिलायंस इंडस्टीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 5जी को लागू करना भारत की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मोबाइल यूजर ग्रोथ के लिए अफोर्डेबिलिटी अहम। फाइबर कनेक्टिविटी को मिशन मोड पर बढ़ाना होगा। उन्होंने इकोनॉमी में तेज रिकवरी का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि मोबाइल, डिजिटल क्षेत्र में बड़ा बदलाव होने वाला है। बता दें तीन दिनों तक चलने वाले इस इवेंट में टेक जगत से जुड़ी कई बड़ी घोषणाएं की जा सकती हैं। इस समय पूरे देश की निगाहें इस इवेंट पर टिकी हुई हैं, क्योंकि इवेंट 5G तकनीक से ओटीटी कटेंट पर भी बात की जाएगी। IMC की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, इस इवेंट में स्पीकर के तौर पर कम्युनिकेशन मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव, सुनील भारती मित्तल, मुकेश अंबानी और बिरला ग्रुप से मंगलम बिरला समेत कई अन्य दिग्गज शामिल होंगे। पहले दिन नोकिया अपने एक प्रोडक्ट से पर्दा उठाएगा और उसका डेमो दिखाएगा। अभी प्रोडक्ट के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। बार्सिलोना में आयोजित हो रहे मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस की तर्ज पर भारत में पिछले चार साल से इंडिया मोबाइल कांग्रेस (IMC) का आयोजन हो रहा है। भारत में IMC का आयोजन हर साल दूरसंचार विभाग (DoT) और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (COAI) की ओर से किया जाता है। IMC की शुरुआत 2017 में हुई थी।

IMC 2021 में आज का कार्यक्रम

इवेंट के पहले दिन आज डिजिटल कनेक्टिविटी को लेकर नई पॉलिसी पर बात होगी। कनेक्टिविटी की सिक्योरिटी जैसे मसलों पर बात होगी। नोकिया की ओर से कई प्रोडक्ट लॉन्च किए जाएंगे। प्रोडक्ट का डेमो भी दिखाया जाएगा। इसके अलावा नेटवर्क ऑटोमेशन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर बात होगी। शाम को 4 बजे टेलीकॉम विभाग का कॉन्फ्रेंस होगा। उसके बाद 5G के इस्तेमाल को लेकर चर्चा होगी जिसमें देश में 5जी नेटवर्क के डेवलपमेंट और विभिन्न इस्तेमाल पर चर्चा होगी। आज भारत में ड्रोन के भविष्य और इस्तेमाल को लेकर भी बात होगी।

भारत के 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में अहम भूमिका निभाएगा मोबाइल उद्योग: बिड़ला

बिजनेस डेस्क: आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि मोबाइल उद्योग, 2025 तक भारत के 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के सपने को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगा। इसमें से 1,000 अरब डॉलर का योगदान डिजिटल अर्थव्यवस्था से होगा। उन्होंने बुधवार को इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल इंडिया के सपने को पूरा करने की गति तेज करने और निवेश के लिए एक मजबूत उद्योग जरूरी है। बिड़ला ने केहा कि सरकार ने पिछले कुछ महीनों में महत्वपूर्ण नीतिगत हस्तक्षेप किए हैं और व्यापार में सुगमता तथा बैंकिंग क्षेत्र से समर्थन संबंधी आगे के कदम इस क्षेत्र की ताकत को ÷काफी बढ़ाएंगे÷ और यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी रुझान का नेतृत्व करता रहे। बिड़ला ने कहा, मेरा मानना है कि मोबाइल उद्योग, 2025 तक भारत के 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के सपने को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगा, जिसमें से 1,000 अरब डॉलर का योगदान डिजिटल अर्थव्यवस्था से होगा।

चालू वित्त वर्ष में आर्थिक विकास अनुमान 9.5 प्रतिशत पर यथावत: आरबीआई

मुंबई (एजेंसी):

रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रबी की बुवाई में तेजी आने, त्योहारी सीजन से मांग बढ़ने, कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियों में नए रोजगार सृजित होने के बीच कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रोन के आने के बाद से इसके मामलों में हो रही बढ़ोतरी तथा वैश्विक घटनाक्रमों से भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रभावित होने की आशंका जताते हुए आज चालू वित्त वर्ष में विकास के अपने पूर्वानुमान को 9.5 प्रतिशत पर यथावत बनाए रखा। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद जारी बयान में यह अनुमान जताया है। उन्होंने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर का प्रभाव कम होने और टीकाकरण में तेजी से घरेलू आर्थिक गतिविधिया कोरोना के पहले के स्तर पर पहुंच रही है। हालांकि कोरोना के नये वेरिएंट का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसके कारण नए मामलों में बढ़ोतरी हुई है जो चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि जो सूचनायें मिल रही हैं उसके अनुसार उपभोग की मांग बढ़ रही है। ग्रामीण मांग के साथ ही शहरी मांग में भी बढ़ोतरी हुई है और लोग यात्री और पर्यटन आदि पर व्यय करने लगे हैं।

अक्टूबर नंबवर के दौरान रेलवे माल ढुलाई, बंरगाह पर माल परिवहन, जीएसटी राजस्व संग्रह, टॉल संग्रह, पेट्रोलयिम उपयोग और हवाई यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। हाल ही में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क और वैट में कमी किए जाने के कारण क्रय शक्ति बढ़ने से उपभोग की मांग में बढ़ोतरी होगी। अगस्त से सरकारी उपभोग में बढोतरी हुई है जिससे कुल मिलाकर मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पूंजीगत वस्तओं का उत्पादन कोरोना से पहले स्तर पर बना हुआ। अक्टूबर में इन उत्पादों के आयात में भी दहाई अंकों में बढ़ोतरी हुई है।

सोने में तेजी , चांदी नीचे आयी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

घरेलू बाजार में सोने की कीमतें बढ़ी हैं जबकि चांदी नीचे आयी है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 177 रुपये बढ़कर 47,267 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 47,090 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमत 1,112 रुपये की गिरावट के साथ ही 60,533 रुपये प्रति किलो रह गई। वहीं गत दिवस यह 61,645 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। बुधवार को आरंभिक कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ ही 75.49 रुपये प्रति डॉलर पहुंच गया। वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ ही 1,789 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी हल्की गिरावट के साथ 22.45 डॉलर प्रति औंस रही।

Fitch ने घटाया मौजूदा वित्त वर्ष के लिए GDP ग्रोथ अनुमान, कहा- रिकवरी की रफ्तार उम्मीदों से कम

बिजनेस डेस्क: फिच रेटिंग्स ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मौजूदा वित्त वर्ष के अपने ग्रोथ अनुमान को घटा दिया है। फिच के मुताबिक कोविड की दूसरी लहर के बाद रिकवरी की रफ्तार अनुमानों के मुकाबले सुस्त रही है। जिसकी वजह से ग्रोथ के अनुमानों को घटा दिया गया है। फिच ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए ग्रोथ का अनुमान घटा कर 8.4 प्रतिशत कर दिया है। पहले रेटिंग एजेंसी ने अनुमान दिया था कि वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था 8.7 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ेगी। हालांकि इसके साथ ही अगले वित्त वर्ष यानि 2022-23 के लिए फिच ने अपना ग्रोथ अनुमान 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 10.3 प्रतिशत कर दिया है। ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक में फिच ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने कोविड की वजह से आई गिरावट के बाद जुलाई सितंबर तिमाही के दौरान तेज रिकवरी दर्ज की है। हालांकि रिकवरी की रफ्तार हमारे अनुमानों से कम रही है। खास तौर पर सर्विस सेक्टर की गति अभी भी धीमी है।

अर्थव्यवस्था में अगले वित्त वर्ष में अनुमान से तेज रफ्तार संभव

फिच ने इसके साथ कहा कि प्रतिबंधों के कम होने के साथ सर्विस सेक्टर में रिकवरी देखने को मिलेगी। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सप्लाई से जुड़ी चिंताओं की वजह से असर देखने को मिल रहा है। हालांकि आने वाले महीनों में सप्लाई के सामान्य होने के साथ ही मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर गति पकड़ लेगा। कार कंपनियां लगातार लंबित ऑर्डर को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ा रही हैं। वहीं कोल सेक्टर भी किल्लत से निपटने के लिए लगातार उत्पादन बढ़ा रहा है। इन सभी संकेतों की वजह से आने वाले महीनों में अर्थव्यवस्था की रफ्तार और तेज हो सकती है और अगले वित्त वर्ष में ग्रोथ पिछले अनुमानों से बेहतर रह सकती है।

डिजिटल मुद्रा के साथ साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी मुख्य चुनौतियां: आरबीआई

मुंबई (एजेंसी):

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि डिजिटल मुद्रा के साथ साइबर सुरक्षा और डिजिटल धोखाधड़ी मुख्य चुनौतियां हैं। आरबीआई के केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीटी) की ओर कदम बढ़ाए जाने के साथ उन्होंने यह बात कही। मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद संवाददाता सम्मेलन में दास ने कहा, ''नई व्यवस्था के मामले में साइबर सुरक्षा और डिजिटल धोखाधड़ी मुख्य चुनौतियां हैं। हमें इसको लेकर सतर्क रहने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले नकली मुद्रा को लेकर चिंता रहती थी। इस प्रकार की चीजें सीबीडीसी के मामले में हो सकती है। इससे निपटने के लिए मजबूत सुरक्षा ढांचे के साथ अन्य जरूरी उपाय करने की जरूरत होगी। डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने कहा कि दो प्रकार के सीबीडीसी होंगे। पहला थोक और दूसरा खुदरा होगा। थोक डिजिटल मुद्रा के मामले में काफी काम हुआ है, जबकि खुदरा मामला थोड़ा जटिल है और इसमें कुछ समय लगेगा। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने इस साल की शुरुआत में घोषणा की थी कि उसने दुनिया के अन्य प्रमुख केंद्रीय बैंकों के अनुरूप सरकारी मुद्रा के रूप में सीबीडीसी पर काम शुरू किया है। रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई इस मामले में अगले साल की शुरुआत में पायलट कार्यक्रम शुरू करने पर विचार कर रहा है। शंकर ने साफ किया सीबीडीटी मौजूदा कागजी मुद्रा का इलेक्ट्रॉनिक संस्करण होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर जोखिम को लेकर बड़ी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा, ''थोक खाता आधारित मामले में काफी काम हुआ है। खुदरा मामला जटिल है और इसमें समय लगेगा। जो भी पहले तैयार होगा, उसे पायलट आधार पर जारी किया जाएगा।''

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मौद्रिक समीक्षा के बाद सेंसेक्स 1,016 अंक , निफ्टी 17,400 अंक उछला

मुंबई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में यह उछाल रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने की घोषणा से आया है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा के बाद बाजार में जो उत्साह का माहौल बना उससे खरीददारी बढ़ी है जिससे बाजार को बल मिला। इसके अलावा स्मॉलकैप और मिडकैप कंपनियों ने भी इस तेजी में अपना योगदान दिया। वहीं जानकारों के अनुसार ओमीक्रोन वायरस के कम घातक होने की खबरों से भी निवेशकों का बाजार पर भरोसा बढ़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में 1,016.03 अंक करीब 1.76 फीसदी की बढ़त के साथ ही 58,649.68 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 293.05 अंक तकरीबन 1.71 फीसदी बढ़कर 17,469.75 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस करीब चार फीसदी की बढ़त के साथ सबसे ज्यादा लाभ में रही। वहीं मारुति सुजुकी, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा और एशियन पेंट्स के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए जबकि कोटक महिंद्रा बैंक और पावरग्रिड के शेयर गिरे हैं। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर को चार फीसदी पर ही बरकरार रखने की घोषणा की है। ऐसे में कई कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान में कारोबार करते नजर आये। बीएसई पर आज बजाज फाइनेंस का शेयर सबसे ज्यादा 3.62फीसदी उछला है। इसके बाद मारुति का शेयर 3.24 फीसदी बढ़ा। वहीं बजाज फिनसर्व, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, सनफार्मा, एशियन पेंट, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, इंफोसिस, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, टेक महिन्द्रा, एनटीपीसी, एमएंडएम, रिलायंस, अल्ट्रा सीमेंट, एलटी, बजाज ऑटो, एचडीएफसी, एक्सिस बैंक, टीसीएस, टाइटन, डॉक्टर रेड्डी, हिन्दुस्तान युनिलीवर और नेस्ले इंडिया के शेयर में तेजी है। वहीं, कोटक बैंक और पावर ग्रिड के शेयरों में गिरावट नजर आ रही है।

एनएसई पर आज बजाज फाइनेंस, मारुति, हिंडाल्को, एसबीआई और बजाज फिनसर्व के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ जबकि एचडीएफसी लाइफ, कोटक बैंक, पावर ग्रिड, डेविस लैब और आईओसी के शेयर हैं।

निर्मला सीतारमण भारत की सबसे शक्तिशाली महिला, फोर्ब्स की सूची में इन भारतीय महिलाओं का भी दबदबा

(एजेंसी):

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक बार फिर भारत की सबसे शक्तिशाली महिला बन गई हैं। दुनिया की सबसे चर्चित मैगजीन फोर्ब्स ने निर्मला सीतारमण को दुनिया की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं की लिस्ट में शामिल किया है। इस लिस्ट में उन्हें 37वां स्थान दिया गया है। बतां दे कि निर्मला सीतारमण को लगातार तीसरी बार 'दुनिया की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं' की लिस्ट में जगह मिली है। सीतारमण ने इस बार लिस्ट में अपने स्थान में काफी अच्छा सुधार किया है। वह अमेरिका की वित्त मंत्री जैनेट येलेन से भी दो पायदान आगे हैं।

फाल्गुनी नायर-रोशनी नाडर को जगह

फोर्ब्स ने दुनिया की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं की सूची में Nykaa की फाउंडर और सीईओ फाल्गुनी नायर को भी जगह दी है। उन्हें इस लिस्ट में 88वां स्थान मिला है। फाल्गुनी नायर, शेयर बाजार में अपनी कंपनी की शानदार शुरुआत के बाद अभी हाल ही में भारत की 7वीं महिला अरबपति बनी हैं। इसके अलावा एचसीएल टेक्नोलॉजिज की चेयरपर्सन रोशनी नाडर को 52वां स्थान दिया है। रोशनी नाडर, देश की किसी आईटी कंपनी का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी हैं। फोर्ब्स ने अपनी इस लिस्ट में Biocon की फाउंडर और एग्जीक्यूटिव चेयरपर्सन किरण मजूमदार शॉ को भी जगह दी है, उन्हें 72वें स्थान पर रखा गया है।

दुनिया की सबसे शक्तिशाली महिला किसे माना

फोर्ब्स ने 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में मैकेंजी स्कॉट को पहला स्थान दिया है। मैकेंजी स्कॉट, दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति और अमेजन ग्रुप के मालिक जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी हैं। 2019 में दोनों के बीच तलाक हो गया था। लिस्ट में दूसरे स्थान पर अमेरिका की उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस हैं।

सूची में शामिल 40 महिलाएं सीईओ

गौरतलब है कि अमेरिकी बिजनेस मैग्जीन फोर्ब्स हर साल दुनिया की 100 ताकतवर महिलाओं की सूची जारी करती है। इस साल शक्तिशाली महिलाओं की 18वीं वार्षिक सूची में 40 महिलाएं ऐसी हैं, जो किसी न किसी कंपनी में सीईओ के पद पर पदस्थ हैं। सूची में 19 विश्व नेताओं को भी जगह दी गई है।

जनवरी-सितंबर में चाय निर्यात 10% घटकर 13.7 करोड़ किलोग्राम पर

कोलकाता (एजेंसी):

वर्ष 2021 की जनवरी-सितंबर की अवधि के दौरान भारत से चाय निर्यात लगभग 10 प्रतिशत घटकर 13.7 करोड़ किलोग्राम रह गया। हालांकि, इस दौरान विदेशी बाजारों में भारतीय चाय के लिए ऊंची कीमत हासिल हुई। चाय बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने एक साल पहले इसी अवधि में 15.3 करोड़ किलोग्राम चाय का निर्यात किया था। उद्योग जगत के सूत्रों ने कहा कि निर्यात की मात्रा में गिरावट मुख्य रूप से कार्गो कंटेनरों की अनुपलब्धता के कारण हुई। वर्ष 2021 के पहले नौ महीनों के दौरान निर्यात का कुल मूल्य 3,764.69 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की समान अवधि में 3,637.13 करोड़ रुपए था। सूत्रों ने कहा कि निर्यात में गिरावट के बावजूद ऊंची कीमत की वजह से प्राप्ति अधिक रही है। रूस, यूक्रेन और कजाकिस्तान सहित सीआईएस देशों ने मौजूदा कैलेंडर वर्ष की जनवरी-सितंबर अवधि के दौरान तीन करोड़ 18.7 लाख किलोग्राम भारतीय चाय का आयात किया, जो कि वर्ष 2020 के इन्हीं महीनों में तीन करोड़ 83.7 लाख किलोग्राम के आयात से कम है। समीक्षाधीन अवधि में ईरान को निर्यात भी दो करोड़ 63.9 लाख किलोग्राम से घटकर एक करोड़ 82.6 लाख किलोग्राम रह गया। पड़ोसी देश, चीन ने वर्ष 2021 के पहले नौ महीनों में 44.7 लाख किलोग्राम भारतीय चाय का उठान किया जो पिछले साल की समान अवधि में 76.3 लाख किलोग्राम था। संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और जर्मनी ने क्रमशः एक करोड़ 3.4 लाख किग्रा, एक करोड़ 8.3 लाख किग्रा और 67 लाख किग्रा का आयात किया। इन देशों ने वर्ष 2020 की तुलना में इस साल जनवरी-सितंबर की अवधि के दौरान भारत से अधिक चाय खरीदी।

नूपुर रिसाइकलर्स लिमिटेड 13 दिसंबर 2021 का आईपीओ ला रही है

धातु रीसाइक्लिंग और प्रसंस्करण उद्योग में एक प्रमुख नाम नूपुर रिसाइकलर्स ने रु। 60 प्रति इक्विटी शेयर की निश्चित कीमत की घोषणा की है। यह शुरुआती ऑफर सोमवार, 13 दिसंबर, 2021 को खुलेगा और बुधवार, 15 दिसंबर, 2021 को बंद होगा।

आईपीओ में 57,00,000 इक्विटी शेयरों का एक ताजा इश्यू शामिल है, जो इश्यू के बाद शेयरधारिता के 27.40त्न का प्रतिनिधित्व करता है; रु. 34.20 करोड़ रुपये तक की कुल राशि एकत्र होने की उम्मीद है। आईपीओ की आय का उपयोग कंपनी अपनी कार्यशील पूंजी की जरूरतों और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

कंपनी का नेतृत्व नूपुर रिसाइकलर्स के संस्थापक श्री राजेश गुप्ता कर रहे हैं, उन्होंने कहा "भारत घातीय व्यापार वृद्धि देख रहा है, फिर हम नुपुर रिसाइक्लर्स को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के साथ उच्च स्तर पर ले जाते हुए वास्तव में खुश हैं। इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी के विकास के अगले स्तर को गति देने के लिए किया जाएगा। हमारे लिए, यह सिर्फ शुरुआत है क्योंकि हमने विभिन्न पहलों के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लक्ष्य को अपनाया है और कंपनी की यात्रा में इस तरह के एक महत्वपूर्ण चरण में सार्वजनिक समर्थन प्राप्त करने से आगे बढ़ने के हमारे लक्ष्य को प्रोत्साहित और मजबूत किया जाएगा।"

कंपनी ने ईवीआई टेक के सहयोग से दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए दो नए वर्टिकल भी जोड़े हैं। यह प्रयुक्त मोबाइल फोन की बैटरी से लिथियम-आयन, कोबाल्ट और ब्लैक मास को भी हटाता है और नवीनीकरण में उपयोग के लिए उन्हें संसाधित करता है। कंपनी अपने अधिकांश राजस्व ज्यूरिख उत्पादों से प्राप्त करती है।

एलएंडटी म्यूचुअल फंड द्वारा प्रस्तुत 'इन्वेस्टिंग की कश्ती' अभियान के साथ निवेश की धारा में आगे बढ़ें

मुंबई : एलएंडटी म्यूचुअल फंड, भारत के बड़े फंड हाउसों में से एक, ने आज इंडेक्स फंड श्रेणी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नया डिजिटल अभियान 'इन्वेस्टिंग की कश्ती' शुरू करने की घोषणा की। इस अभियान का उद्देश्य एक इंडेक्स फंड की विशेषताओं की व्याख्या एक सरल लेकिन आकर्षक तरीके से करना है, जो वर्तमान और संभावित निवेशकों से आसानी से जुड़ जाएगा। एलएंडटी म्यूचुअल फंड, इस अभियान के माध्यम से इस बात पर जोर देता है कि कैसे निवेशक इंडेक्स फंड में निवेश करके 'ऑटोपायलट मोड' में 'अपने निवेश की कश्ती को आगे बढ़ा' सकते हैं।

डिजिटल अभियान के शुभारंभ पर बोलते हुए, एलएंडटी म्यूचुअल फंड के सीईओ श्री कैलाश कुलकर्णी ने कहा कि "जब अधिकतम प्रभाव के साथ न्यूनतम प्रयास होता है और इंडेक्स फंड पर हमारा नवीनतम डिजिटल अभियान इस श्रेणी की परेशानी मुक्त सुविधाओं को उभार कर सामने लाता है, और ये एक छोटी नाव को खेने का मजा लेने के समान है। जहां एक निवेशक को निवेश करने से पहले क्षेत्रों और निवेश शैली पर निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती है। हम एमएफ इंडस्ट्री को लेकर आम लोगों को सरल भाषा और सरल शब्दों में समझाने में विश्वास करते हैं और इस प्रक्रिया में हमारे सभी संचार का उद्देश्य सरल, आसानी से संबंधित अभियान है जिसे कोई भी वित्तीय ज्ञान के बिना भी समझ सकता है।"

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : टेस्ट रैंकिंग में इन तीन भारतीय खिलाड़ियों ने लगाई लंबी छलांग

दुबई।(एजेंसी)।

भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन बुधवार को जारी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में एक पायदान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गये जबकि सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल और न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल ने भी लंबी छलांग लगायी है। अग्रवाल मुंबई में दूसरे टेस्ट में 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे थे। इस मैच में उन्होंने 150 और 62 रन की पारियां खेली थीं जिससे वह पुरूषों की बल्लेबाजी रैंकिंग में 30 पायदान के फायदे से 11वें स्थान पर पहुंच गये। वह अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 10वें पायदान से महज एक स्थान नीचे हैं जो उन्होंने नवंबर 2019 में हासिल की थी। मुंबई में जन्में पटेल एक टेस्ट पारी में सभी 10 विकेट चटकाने वाले तीसरे क्रिकेटर बने थे तथा उन्होंने जिम लेकर और अनिल कुंबले की बराबरी की थी। उन्होंने मैच में 14 विकेट चटकाये थे जिससे वह 23 पायदान के फायदे से 38वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

बायें हाथ के स्पिनर की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 53 थी और श्रृंखला की शुरूआत में वह 62वें स्थान पर थे। मुंबई टेस्ट आईसीसी विश्व चैम्पियनशिप का हिस्सा था और इसके बाद रैंकिंग में लाभ हासिल करने वाले अन्य खिलाड़ी भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल (21वें पायदान से 45वें स्थान), तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज (चार पायदान से 41वें स्थान) और न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल (26 पायदान के फायदे से 78वें स्थान) हैं। भारत की 372 रन की जीत में प्रत्येक पारी में चार चार विकेट हासिल करने के बाद अश्विन ने शीर्ष रैंकिंग के गेंदबाज पैट कमिंस के बीच अंतर कम कर दिया। अश्विन को 43 रेटिंग अंक का फायदा हुआ जिससे उनके 883 अंक हो गये हैं। इससे वह तीसरे स्थान पर काबिज जोश हेजलवुड से 67 अंक आगे हैं। वह आल राउंडर सूची में एक पायदान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गये जबकि साथी रविंद्र जडेजा सूची में चौथे स्थान पर खिसक गये जिसमें वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर शीर्ष पर काबिज हैं। होल्डर एक पायदान के फायदे से बुधवार को अपडेट की गयी गेंदबाजों की सूची में 14वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

इस सूची में गॉल टेस्ट के प्रदर्शन को भी रखा गया है जिसमें श्रीलंका ने 164 रन की जीत से श्रृंखला में 2-0 से जीत हासिल की थी और वह आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की अंक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। क्रेग ब्रेथवेट (10 पायदान ऊपर 39वें स्थान पर) और नक्रुमाह बोनर (17 पायदान ऊपर 42वें स्थान पर) वेस्टइंडीज के लिये बल्लेबाजी सूची में फायदा हासिल करने वाले खिलाड़ी हैं। लेकिन गॉल टेस्ट के बाद जिसे सबसे ज्यादा फायदा हुआ, वह 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे धनंजय डि

सिल्वा हैं जो दूसरी पारी में नाबाद 155 रन की बदौलत 12 पायदान के फायदे से 21वें स्थान पर पहुंच गये। स्पिनर लसिथ एम्बुलडेनिया और रमेश मेंडिस को भी रैंकिंग में लाभ मिला है। एम्बुलडेनिया (सात विकेट से) पांच पायदान के फायदे से 32वें जबकि मेंडिस 11 विकेट से 18 पायदान की उछाल से 39वें स्थान पर पहुंचने में सफल रहे। बल्लेबाजों में रोहित शर्मा और विराट कोहली क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर बरकरार हैं। रोहित मुंबई टेस्ट में नहीं खेले थे जबकि कोहली ने शून्य और 36 रन बनाये थे।

विजय हजारे ट्रॉफी- कप्तान सुभ्रांशु का शानदार शतक, ओडिशा ने आंध्र को हराया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

मुंबई। कप्तान सुभ्रांशु सेनापति के शतक से ओडिशा ने विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए में बुधवार को यहां आंध्र को 63 रन से हराया जबकि गुजरात और विदर्भ ने भी अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया। गुजरात ने जम्मू-कश्मीर को पांच विकेट से हराया जबकि विदर्भ ने हिमाचल प्रदेश को सात विकेट से शिकस्त दी। ओडिशा ने सुभ्रांशु के 116 रन के अलावा सलामी बल्लेबाज संदीप पटनायक (57) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 92 और गोविंद पोदार (46) के साथ तीसरे विकेट की 124 रन की साझेदारी की बदौलत 50 ओवर में पांच विकेट पर 278 रन बनाए। सुभ्रांशु ने 120 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के जड़े। विकेटकीपर बल्लेबाज राजेश धूपर ने भी 17 गेंद में नाबाद 28 रन बनाए। आंध्र की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पांचवें ओवर में 17 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए थे।

टीम इस खराब शुरुआत से नहीं उबर पाई और अंततः 46.3 ओवर में 215 रन पर सिमट गई। रिकी भुई 74 रन के साथ आंध्र के शीर्ष स्कोरर रहे जबकि मनीष गोलामारू ने 41 गेंद में 48 रन का योगदान दिया। ओडिशा की ओर से जयंत बेहड़ा ने 24 रन देकर चार जबकि देवव्रत प्रधान ने 56 रन देकर दो विकेट चटकाए। दूसरी तरफ गुजरात ने चिंतन गजा (30 रन पर चार विकेट) और हेमंग पटेल (29 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी से जम्मू-कश्मीर को 42.1 ओवर में 171 रन पर समेटने के बाद 79 गेंद शेष रहते पांच विकेट पर 172 रन बनाकर जीत दर्ज की। गुजरात की ओर से भार्गव मेराई ने 83 गेंद में पांच चौकों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए जबकि रिपल पटेल ने 33 रन की पारी खेली। एक अन्य मैच में कप्तान रिषी धवन (61) के अर्धशतक के बावजूद हिमाचल की टीम 46 ओवर में 213 रन पर सिमट गई। विदर्भ की ओर से यश ठाकुर ने 53 रन देकर पांच विकेट चटकाए जबकि अक्षर वखारे और दर्शन नालकंडे ने दो-दो विकेट हासिल किए। इसके जवाब में विदर्भ ने अथर्व ताइडे (64) और यश राठौड़ (नाबाद 76) के अर्धशतकों से 39.5 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। यश ने अक्षय वाडकर (नाबाद 44) के साथ चौथे विकेट के लिए 95 रन की अटूट साझेदारी की।

इंग्लैंड के शेर 147 रन में हुए ढेर, तेज गेंदबाजों ने झटके विकेट, कमिंस ने 5 चटकाए

ब्रिसबेन टेस्ट का पहला दिन पैट कमिंस के नाम, इंग्लैंड की हालत खस्ता

ब्रिसबेन (एजेंसी)।

एशेज सीरीज का आगाज हो चुका है, ब्रिसबेन के गाबा मैदान पर खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच का पहला दिन पूरी तरह से मेजबान ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। बारिश के चलते पहले दिन महज 50 ओवर का ही खेल हो पाया। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और पूरी टीम महज 147 रनों पर सिमट गई। बारिश के चलते ऑस्ट्रेलिया को अपनी पारी शुरू करने का मौका ही नहीं मिला। मैच का पहला दिन ऑस्ट्रेलिया के नए कप्तान पैट कमिंस के नाम रहा, जिन्होंने इंग्लैंड के पांच बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया।

मैच की पहली ही गेंद पर मिचेल स्टार्क ने रोरी बर्न्स को बोल्ड कर दिया और इसके बाद डेविड मलान महज छह रन बनाकर जोश हेजलवुड की गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों लपके गए। कप्तान जो रुट नौ गेंदों में खाता खोले बिना हेजलवुड की गेंद पर स्लिप में डेविड वॉर्नर को कैच थमा बैठे। बेन स्टोक्स पांच रन बनाने के बाद कमिंस का पहला शिकार बने। इंग्लैंड ने इस

तरह से 29 रनों तक चार विकेट गंवा दिए थे। सलामी बल्लेबाज हसीब हमीद ने ओली पोप के साथ मिलकर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन कमिंस ने इस साझेदारी को तोड़ा।

हसीब 25 रन बनाकर आउट हुए। पोप ने फिर जोस बटलर के साथ मिलकर स्कोर 100 रनों के पार पहुंचाया। पोप 35 और बटलर 39 रन बनाकर आउट हुए। क्रिस वोक्स ने 21 रनों की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के सामने इंग्लैंड के बल्लेबाज एकदम लाचार नजर आए। हेजलवुड और स्टार्क ने दो-दो विकेट लिए, जबकि एक विकेट कैमरन ग्रीन के खाते में गया।

बाबर आजम ने बांग्लादेश के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार की गेंदबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में बांग्लादेश और पाकिस्तान आमने-सामने हैं। खेल ढाका, बांग्लादेश में शेर ई बांग्ला राष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस दौरे में बांग्लादेश टीम पर पाकिस्तान का पूरी तरह से दबदबा बना हुआ है। उन्होंने न केवल टी20 सीरीज में बल्कि टेस्ट सीरीज में भी शानदार प्रदर्शन किया। हरे रंग के पुरुषों ने पहला टेस्ट मैच काफी आराम से जीत लिया। पाकिस्तान ने मंगलवार को खेल के चौथे दिन ढाका में बांग्लादेश के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट में मेजबान टीम की पहली पारी के दौरान तेजी से विकेट लेकर अपने नियंत्रण में ले लिया।

टेस्ट मैच में तीसरे दिन का खेल बारिश से धुल जाने के बाद, पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी 188/2 से फिर से शुरू की और 300/4 पर अपनी पारी घोषित करने से पहले बोर्ड पर 112 रन जोड़े। इसके बाद गेंदबाजों ने पाकिस्तान को शानदार शुरुआत

दिलाई और मेजबान टीम पर दबाव बनाने के लिए नियमित अंतराल पर बांग्लादेश के बल्लेबाजों को आउट करते रहे। साजिद खान ने छह विकेट लेकर बांग्लादेश की बल्लेबाजी क्रम को आगे बढ़ाया। उन्होंने दोनों सलामी बल्लेबाजों महमदुल हसन (0) और शादमान इस्लाम (3) को सस्ते में आउट किया और मुशफिकुर रहीम और लिटन दास के विकेट हासिल करने से पहले बांग्लादेश को 76/7 के स्कोर पर स्टंप्स पर आउट कर दिया।

आईपीएल 2022: ड्वेन ब्रावो ने किया कन्फर्म, आईपीएल 2022 में खेलेंगे, एमएस धोनी के लिए कही ये बात

नई दिल्ली। आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी से पहले आईपीएल की 8 फ्रेंचाइजी ने रिटेन किए गए अपने खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर दी है। एक फ्रेंचाइजी अधिकतम 4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती थी। ऐसे में कई खिलाड़ियों को टीमों ने रिलीज कर दिया है। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने अगले महीने आईपीएल 2022 के लिए नीलामी में शामिल होने की पुष्टि कर दी है। उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने रिटेन नहीं किया है। ब्रावो ने कहा, 'मुझे सीएसके द्वारा रिटेन नहीं किया गया है, लेकिन मैं नीलामी में रहूंगा, मैं नीलामी में 100 प्रतिशत रहूंगा। मुझे नहीं पता है कि सीएसके द्वारा मुझे खरीदा जाएगा या नहीं। मुझे दूसरी टीम में भी ले सकती हैं, क्योंकि मैं ऑक्शन में हूं।' सीएसके ने चार आईपीएल खिताब जीते हैं। ब्रावो सीएसके के मुख्य आधारों में से एक थे। हालांकि, चोट और फॉर्म की चिंताओं के कारण ऑलराउंडर ने पिछले दो सीजन में खास प्रदर्शन नहीं किया है।' सीएसके ने मोईन अली को विदेशी खिलाड़ी के तौर पर रिटेन किया है। ब्रावो ने धोनी को उनके करियर में मदद करने में मदद करने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'हम दोनों को एक दूसरे को भाई कहते हैं। हमने एक मजबूत दोस्ती विकसित की है। वह खेल के ग्लोबल एंबेसडर हैं और उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मेरे करियर की मदद की है। हम दोनों की सीएसके में एक महान विरासत है और हमने उस फ्रैंचाइजी को सबसे प्रभावशाली फ्रैंचाइजी में बदलने में मदद की है और यह इतिहास की किताबों में होगा। हमारी एक मजबूत दोस्ती है और यह किसी भी चीज से अधिक महत्वपूर्ण है।'

हरभजन सिंह ने बताया, टीम इंडिया के पास साउथ अफ्रीका को उसके घर में टेस्ट सीरीज हराने का क्यों है गोल्डन चांस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने पिछले कुछ सालों में विदेशों में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में दो बार हराने के बाद इंग्लैंड को 2-1 से मात दी। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज पूरी नहीं खेली जा सकी थी। साउथ अफ्रीका के दौरे में वो अपने प्रभावशाली रिकॉर्ड को सुधारना चाहेगा। भारत ने दक्षिण अफ्रीका में 20 टेस्ट खेले हैं। इसमें में केवल तीन में उन्हें जीत मिली है। लेकिन अनुभवी स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि आगामी साउथ अफ्रीका दौरे में टीम इंडिया के पास टेस्ट सीरीज जीतने का अच्छा मौका है।

हरभजन सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मेरा मानना है कि भारत के पास दक्षिण अफ्रीका में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतने का गोल्डन चां है। अगर हम उनकी टीम को देखें, तो यह उतनी मजबूत नहीं है जितना पहले हुआ करती थी यहां तक कि पिछले दौरे में भी। एबी डिविलियर्स और फाफ डु प्लेसिस जैसे खिलाड़ियों मे भारत को वहां कभी जीतने नहीं दिया। हालांकि भारत ने वहां अच्छा खेला है, लेकिन कभी भी एक सीरीज नहीं जीती है और यह उनके

लिए सबसे अच्छा मौका है क्योंकि उनकी बल्लेबाजी अच्छी नहीं है।'

भारत ने साल 2006 में साउथ अफ्रीका में पहला टेस्ट जीता, जब उन्होंने साउथ अफ्रीका को 113 रनों से हराया। इसके बाद भारत सीरीज हार गया। साल 2010/11 में, दक्षिण अफ्रीका ने पहला टेस्ट जीता, जिसके बाद भारत ने डरबन में 87 रन से जीत हासिल की, लेकिन अंतिम टेस्ट ड्रॉ रहा और सीरीज 1-1 पर खत्म हुई। तीन साल बाद द 2013/14 के दौरे में भारत 0-1 से हार गया, और 2018 में जोहान्सबर्ग में 63 रनों से जीता लेकिन सीरीज हार गया।

फुटबॉल क्लब टोटेनहैम के कई खिलाड़ी और कोच कोरोना वायरस से संक्रमित

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल क्लब टोटेनहैम के कई खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। टीम के कई खिलाड़ियों के अलावा कोचिंग स्टाफ के दो सदस्य भी पॉजिटिव पाए गए हैं जबकि मंगलवार को और पीसीआर परीक्षण होंगे। इन पॉजिटिव मामलों से गुरुवार को रेनेस के खिलाफ होने वाले करो या मरो के यूरोपा कांफ्रेंस लीग मुकाबले और फिर ब्राइटन और लीसेस्टर के खिलाफ होने वाले ईपीएल मुकाबलों की टीम की तैयारियों को झटका लगा है। पिछले सत्र में भी कोविड-19 के कारण एस्टन विला और फुलहैम के खिलाफ टीम के मुकाबले रद्द हो गए थे। मौजूदा सत्र में भी दो खिलाड़ियों के गलत पॉजिटिव नतीजे आए थे लेकिन पीसीआर परीक्षण के नेगेटिव नतीजे के बाद उन्हें खेलने की स्वीकृति दी गई थी।

भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी कोविड पॉजिटिव, कोरिया के खिलाफ मैच रद्द

डोंगहे (दक्षिण कोरिया)। एशियाई चैम्पियंस ट्राफी में हिस्सा ले रही भारतीय महिला हॉकी टीम की एक सदस्य कोविड-19 के लिये पॉजिटिव पायी गयी है जिसके कारण मेजबान और गत चैम्पियन कोरिया के खिलाफ बुधवार को होने वाला उसका मैच रद्द कर दिया गया। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने पुष्टि की कि एक खिलाड़ी का परीक्षण नतीजा पॉजिटिव आया है जिसके बाद एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) ने अपने ट्विटर हैंडल पर बयान जारी किया लेकिन संबंधित खिलाड़ी की जानकारी नहीं दी। एएचएफ ने ट्वीट किया, ''एशियाई हॉकी महासंघ को यह सूचित करते हुए खेद है कि टीम इंडिया के नियमित कोविड परीक्षण के दौरान कल एक नतीजा पॉजिटिव आया है।'' एएचएफ ने कहा, ''कोरिया और भारत के बीच आज दोपहर तीन बजे होने वाले मुकाबले का आयोजन नहीं होगा। जल्द ही आगे की जानकारी दी जाएगी।'' पॉजिटिव नतीजे के बाद हालांकि टूर्नामेंट में भारत के बाकी बचे मैचों को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। भारत को अपने अगले मैच में गुरुवार को चीन से भिड़ना है।

श्रीलंका के क्रिकेट स्टेडियम के दो कर्मचारियों की हाथी के हमले मे मौत

कोलंबो। महिंदा राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के दो कर्मचारियों की हाथी के हमले में मौत हो गई। स्टेडियम के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के अधिकारियों ने बताया कि यह घटना मंगलवार रात हम्बनटोटा के सूरियावेवा में स्थित स्टेडियम के बाहर हुई जब दो कर्मचारी अपना काम खत्म करने के बाद मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इन दोनों कर्मचारियों के शव लगभग 500 मीटर की दूरी पर मिले। एक कर्मचारी का शव मोटरसाइकिल के समीप मिला जबकि दूसरा शव झाड़ियों के पास मिला। ये दोनों व्यक्ति लंका प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट के इस महीने होने वाले फाइनल के लिए मैदान पर काम कर रहे थे। क्रिकेट विश्व कप के लिए 2011 में बनाया गया यह स्टेडियम वन्य जीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान के समीप है।

अब अतीत को भुलाकर भविष्य पर ध्यान देने का समय है: नीरज चोपड़ा

चुला विस्टा (अमेरिका)।(एजेंसी)।

भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के लिये तोक्यो ओलंपिक की उपलब्धि अब अतीत की बात है और वह अभ्यास के लिये यहां पहुंचने के बाद आगामी वर्षों में सफलता हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। चोपड़ा कोच क्लॉज बार्टोनिज की देखरेख में 90 दिन तक यहां की विश्वस्तरीय सुविधाओं में अभ्यास करेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने पिछले शुक्रवार को उनके प्रस्ताव को तुरत-फुरत मंजूरी दे दी थी। चोपड़ा ने ट्वीट किया, ''यह समय अतीत को भुलाकर भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने का है। प्रतियोगिता से इतर अभ्यास के लिये पहुंच गया हूं तथा और बेहतर बनने के लिये प्रक्रिया शुरू करने को उत्सुक हूं।'' भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रस्ताव को चार घंटे के भीतर मंजूरी दे दी गयी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चोपड़ा रविवार को रवाना हो सकें। प्रतिष्ठित चुला विस्टा एलीट एथलीट ट्रेनिंग सेंटर में अभ्यास के लिये लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टॉप्स) के तहत स्वीकृत लागत 38 लाख रुपये होगी। चोपड़ा ने लिखा, ''साइ महानिदेशक, टॉप्स और एएफआई के अधिकारियों तथा इसे साकार करने में शामिल प्रत्येक व्यक्ति का आभारी हूं।'' चोपड़ा ने तोक्यो में सात अगस्त को 87.85 मीटर भाला फेंककर एथलेटिक्स में भारत के लिये पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था।

100 में 99 है बेईमान फिर भी भारत देश महान

सूरत भूमि, सूरत ।

जिस तरह एशिया महाद्वीप में कपड़े के उद्योग में सबसे बड़ा शहर सूरत माना जाता था आज उसी जगह पर एशिया महाद्वीप का सबसे भ्रष्ट शहर सूरत माना जा रहा है इसकी सबसे बडी मिसाल है की सूरत महानगर पालिका में रिटायर्ड आईएएस ऑफिसर की नियुक्ति मात्र इसलिए की जाती है कि वह भ्रष्टाचार के मामले में बड़े अनुभवी होते हैं और अनुभव का फायदा शहर मनपा में कार्यरत जोनल और कार्यपालक जैसे अधिकारियों को ट्रेनिंग देने के लिए इन आईएएस ऑफिसर की सर्विस मनमानी बढ़ा दी जाती है । यही हिटलर शाही का सबसे बड़ा प्रारूप है क्योंकि आज सूरत महानगर पालिका लिंबायत जोन विस्तार में डिंडोली गांव मेन रोड पर ओवर ब्रिज के पास बनी बाबा मेमोरियल हॉस्पिटल तो एक उदाहरण स्वरूप है इसलिए विस्तार में तमाम ऐसी शॉपिंग गोड़ादरा-डिंडोली में बनाई गई है जिसकी पूर्ण रूप से भ्रष्टाचार से नींव पड़ी हुई है। इसे बीएमसी के नियमों का जरूरत नहीं पड़ता क्योंकि बीएमसी के नियम सिर्फ अधिकारियों के पैसा वसूल करने के लिए बनाकर रखे गए हैं। यहां के बड़े लोग लाडले नेता यूपी-बिहार को जंगल राज्य की उपाधि देते हैं, जबकि गुजरात के सूरत शहर अधिकारियों की हिटलर शाही से संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है और इस पर लोग गुलाम की तरह चुपचाप बैठे हुए हैं जनता को बोलने का भी ऑप्शन नहीं देते हिटलर सरकार की यही सबसे बड़ी पहचान है जो खुद को खुदा व भगवान समझकर जनता को गुलामी की जंजीर में जकड़ कर अपने मनमानी कार्य कर रहे हैं। जो यहां के लोग नाजायज जमीन कब्जा करना सरकारी जमीनों पर कब्जा करना अवैध बिल्डिंग बनाना ऐसे तमाम नियमों का उल्लंघन कर कार्य करते हैं उसी कार्य का उदाहरण देकर उत्तर प्रदेश में सपा सरकार को दोषी ठहराया गया। जबकि यह कार्य करने में सबसे निपुण गुजरात के लोग हैं आज जो भ्रष्टाचार सूरत गुजरात में चल रहा है वही भ्रष्टाचार उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा, जैसे अन्य राज्यों में यह सरकार फैला रही है और दोष दूसरे के सर पर लगा रही है इसीलिए कहा गया है की सूरत शहर का मनपा विभाग भ्रष्टाचार की यूनिवर्सिटी है जहां से निकला हुआ अधिकारी भ्रष्टाचार का प्रोफ़ेसर बन पूरे भारत में लोगों को भ्रष्टाचार की ट्रेनिंग देता है।

हारने वाली सीट पर उम्मीदवारों का नाम पहले घोषित किया जाए

गुजरात में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने तैयारी शुरू कर दी है ।

गांधीनगर ।

गुजरात में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने तैयारी शुरू कर दी है । बीते दिनों जन आशीर्वाद यात्रा शुरू कर सियासी माहौल बनाने की कोशिश की गई । वहीं कांग्रेस भी अपनी खोई हुई सियासी जमीन को मजबूत करने के लिए न्याय यात्रा निकालकर लोगों के बीच पहुंचने की कोशिश कर रही है. इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि कांग्रेसी नेताओं ने नवनियुक्त अध्यक्ष और प्रभारी के सामने हारने वाली सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम का ऐलान पहले करने की मांग की है ।

मिल रही जानकारी के अनुसार कांग्रेस समन्वय समिति की कल हुई बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने उम्मीदवारों की जल्द घोषणा करने की मांग की। जिन सीटों पर कांग्रेस सालों से हारती आ रही है, ऐसी सभी सीटों पर जल्द घोषित किया जाना चाहिए । गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष और प्रभारी ने भी नेताओं की मांग पर सहमति जताते हुए कहा कि इस मामले को लेकर आलाकमान से बातचीत की जाएगी ।

बीते दिनों ओबीसी नेता और पूर्व सांसद जगदीश ठाकोर ने औपचारिक रूप से गुज रात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया था । इस मौके पर गुजरात कांग्रेस प्रभारी रघु शर्मा, कांग्रेस विधायकों और वरिष्ठ नेता उपस्थिति थे । पदभार संभालने के बाद ठाकोर ने कांग्रेसी विधायकों के साथ बैठक भी आयोजन किया था ।

11 से उमियाधाम में मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम, 13 को पीएम मोदी वर्चुयुअल उपस्थित रहेंगे

अहमदाबाद। मेहसाणा के ऊंझा स्थित कडवा पाटीदारों की कुलदेवी उमिया माता संस्था की ओर से अहमदाबाद के जासपुर भव्य उमियाधाम का निर्माण किया गया है। उमियाधाम परिसर में अब रु. 1500 की लागत से 16 हजार वर्ग मीटर जमीन पर उमिया माताजी के मंदिर का निर्माण किया जाएगा। तीन दिवसीय शिलान्यास कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 दिसंबर को वर्चुअल शामिल होंगे। ऊंझा उमियाधाम के प्रमुख बाबुभाई जमनादास पटेल ने बताया कि आगामी 11 दिसंबर को शिलान्यास महोत्सव का शुभारंभ होगा। केन्द्रीय गृह एवं सहकार मंत्री अमित शाह और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत शिलान्यास महोत्सव का प्रारंभ कराएंगे। इससे पहले सुबह 9 बजे पोथी यात्रा निकलेगी। जिसके बाद 10 बजे शिलान्यास महोत्सव का प्रारंभ होगा। 12 दिसंबर की सुबह 9 बजे नवचंडी महायज्ञ प्रारंभ होगा और शाम 4.30 बजे महायज्ञ की पूर्णाहुति होगी। 13 दिसंबर को सुबह 9.30 बजे 501 यजमान के साथ शीलापूजन किया जाएगा। जिसमें मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला, मनसुख मांडविया, पूर्व विपक्ष के नेता परेश धानाणी, पाटीदार संस्था के नेता समेत धर्माचार्य और साधु-संत उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कांफ्रेंस के जरिए दिल्ली से शिलान्यास महोत्सव में शामिल होंगे। 1500 करोड़ रुपए के खर्च से उमिया माताजी के मंदिर का निर्माण किया जाएगा। साथ ही उमियाधाम में धर्म और शिक्षा परिसर का भी निर्माण किया जाएगा। जिसमें समाज के 1200 से ज्यादा बेटे-बेटियों के लिए स्कूल से लेकर मास्टर डिग्री तक की व्यवस्था होगी। साथ ही उनके लिए रहने और खाने की भी व्यवस्था उमियाधाम में की जाएगी। ऊंझा उमियाधाम के संयोजक रमेश दूधवाला ने बताया कि फिलहाल 300 करोड़ रुपए की लागत से होस्टेल, भोजनालय, शिक्षा और स्वास्थ्य परिसर का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए देश-विदेश से अनेक दाताओं का सहयोग मिला है। ऊंझा उमियाधाम को अब तक रु. 60 करोड़ का दान मिल चुका है और रु. 60 करोड़ संस्था के पास हैं।

तीन विद्यार्थियों के कोरोना संक्रमित होने पर स्कूल एक सप्ताह बंद करने का आदेश

सूरत।

शहर के अडाजण क्षेत्र की एक स्कूल में तीन विद्यार्थियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद सूरत महानगर पालिका ने स्कूल को एक सप्ताह बंद करने का आदेश दिया है। दरअसल सूरत महानगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग ने शहर के अडाजण क्षेत्र की रिवर डेल स्कूल में विद्यार्थियों के सामूहिक टेस्टिंग का आयोजन किया था। कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों के रेपिड और आरटीपीसीआर टेस्टिंग में तीन विद्यार्थियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद विद्यार्थी और शिक्षकों में हड़कम्प मच गया। विद्यार्थियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद सूरत महानगर पालिका प्रशासन ने रिवर डेल स्कूल को एक सप्ताह बंद रखने का आदेश दिया है। इससे पहले अडाजण की संस्कार भारती स्कूल को । दिन बंद करने का आदेश दिया गया था। संस्कार भारती स्कूल की एक छात्रा की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद भी उसने स्कूल जाना बंद नहीं किया था। चार दिन पहले छात्रा बीमार हुई थी और उसकी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई थी। हांलाकि स्कूल संचालक छात्रा की रिपोर्ट पॉजिटिव हाने से इंकार कर रहे हैं। कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बावजूद विद्यार्थियों के स्कूल जाना बंद नहीं करने से स्कूल संचालकों और महानगर पालिका प्रशासन की घोर लापरवाही पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

प्रतिनिधिमंडल के साथ दुबई पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री अपने दौरे के दूसरे दिन यानी ९ दिसंबर की सुबह सऊ द बिन सकर अली कासिमी के साथ मुलाकात करेंगे

गांधीनगर ।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल आज यानी बुधवार सुबह दुबई के लिए रवाना हो गया है ।

पीएम से प्रेरित और निर्देशित प्रतिनिधिमंडल ज नवरी २०२२ में वाइब्रेंट गुज रात ग्लोबल समिट २०२२ के १० वें संस्करण में यूएई के व्यापार निवेशकों की भागीदारी को प्रेरित करने के लिए दुबई की दो दिवसीय यात्रा पर है ।

इस प्रतिनिधिमंडल में मुख्यमंत्री के साथ उद्योग राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव कैलासनाथन, अतिरिक्तमुख्य सचिव उद्योग राजीव कुमार गुप्ता सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ सचिव और प्रमुख उद्योगपति शामिल हुए हैं । विदेश दौरे की शुरुआत दुबई में वर्ल्ड एक्सपो की यात्रा से हो रही है ।

एक्सपो के आयोजन स्थल पर भूपेंद्र पटेल यूएई के कैबिनेट सदस्य और कई मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे ।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री के साथ संयुक्तअरब अमीरात के विदेश व्यापार राज्य मंत्री बिन अहमद अल जायदी, डीपी वर्ल्ड के चेरयमैन सुल्तान अहमद बिन सुलेयम के साथ बैठक करेंगे । दुबई की अपनी यात्रा के पहले दिन मुख्यमंत्री कई कार्यक्रमों में

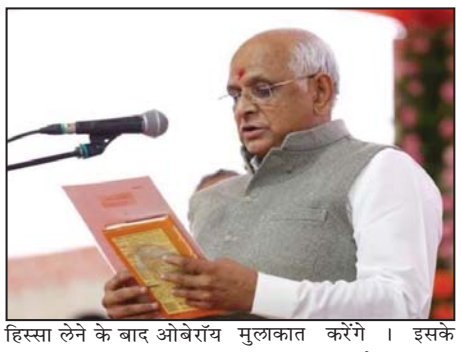

हिस्सा लेने के बाद ओबेरॉय होटल में रुकेंगे. उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात के आठ प्रमुख उद्योग और व्यापार प्रबंधकों के साथ आमने-सामने बैठक करेंगे ।

मुख्यमंत्री अपने दौरे के दूसरे दिन यानी ९ दिसंबर की सुबह सऊ द बिन सकर अली कासिमी के साथ मुलाकात करेंगे । इसके अलावा वह उनके साथ ही दोपहर का भोजन करेंगे । भूपेंद्र पटेल और गुजरात का प्रतिनिधिमंडल अबू धाबी में निर्माणाधीन बीएपीएस मंदिर और शेख जायद ग्रैंड मस्जिद का भी दौरा करेगा । इसके बाद वे रात में गुजरात लौट जाएंगे ।

अहमदाबाद में कोशेना के सबसे ज्यादा नए केस दर्ज

अहमदाबाद ।

कोशेना के नए वेरिएंट ओमीक्रॉन के बढ़ते आतंक के बीच अहमदाबाद शहर में कोशेना के दैनिक मामलों में एक बार फिर से भारी वृद्धि दर्ज की गई है । जिसके बाद संकेत मिलने लगा है कि अहमदाबाद एक बार फिर से कोशेना का एपी सेंटर बन जाएगा । गुजशत में बीते २४ घंटों में ६१ कोशेना के नए केस दर्ज हुए हैं उसमें से अहमदाबाद में २५ नए मामले सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है । संक्रमित लोगों की ट्रैवल हिस्ट्री सामने आई है ।

गुजशत में पिछले कुछ दिनों से कोशेना के नए मामलों में वृद्धि दर्ज की जा रही है । बीते २४ घंटे में शज्य में कोशेना के ६१ नए मामले सामने आए हैं । वहीं इस दौशन ३९ मशीज ठीक भी हुए हैं । जिसके बाद अब तक कुल ८,१७,३३९ लोग कोशेना को मात देने में कामयाब हुए हैं। कोशेना का शिकवरी रेट ९८.७४ फीसदी पश पहुंच गया है ।

गुजशत में पिछले २४ घंटे में अहमदाबाद नगश निगम में सबसे ज्यादा २५, सूरत निगम में सात, भावनगश निगम में छह, वडोदश निगम में पांच, वलसाड में चाश, जामनगश निगम में तीन, खेड़ा में दो, नवसाशी में एक, आणंद में एक, जूनागढ़ में एक, कच्छ में एक नया केस दर्ज हुआ है ।

अगश बात करें कोशेना के एक्टिव केस की तो शज्य में कुल ३७२ केस हैं. जिनमें से ९ को वेंटिलेटश पश रखा गया है । जबकि ३६३ मशीज ों की हालत स्थिश बताई जा रही है । कोशेना की वजह से अब तक कुल १००९५ लोगों की मौत दर्ज की गई है ।

सूरत भूमि , सूरत। सूरत में कैंसर ग्रसित पत्नी की प्रथम पुण्यतिथि पर पति ने सिविल हॉस्पिटल में न्यूबॉर्न बेबी किट वितरण किया। जगदीश चंद्र रूपावाड़ा ने बताया कि उनकी पत्नी जयश्री को बच्चों के प्रति खूब प्रेम था इसलिए उन्होंने विधि में पैसे खर्च करने की वजह गरीब परिवार के नवजात शिशुओं को न्यू बोर्न बेबी किट वितरण किया जिससे उनकी पत्नी की आत्मा को शांति प्राप्त हो।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)